राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण शनिवार,12सितम्बर 2020 वर्ष–3, अंक –227 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुलिस, प्रशासन और राजनीति की साठगांठ से पनपा अतिक्रमण

नई दिल्ली। रेलवे की जमीनों पर अतिक्रमण कई रूपों में हैं। इसे परिभाषित करने और फिर कार्रवाई करने में होने वाली चूक अतिक्रमण की समस्या को और बढ़ा देती है। रेलवे की नीतियां अपनी जगह भले ही मजबूत हों, लेकिन स्थानीय पुलिस, प्रशासन, राजनीति और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की सांठगांठ इस समस्या को और बढ़ा देती है। इन पर अंकुश लगाने के उपाय कई मर्तबा किए गए, लेकिन मुश्किलें आसान नहीं हो सकीं। तमाम शहरों में रेलवे लाइनों के किनारे झुग्गी-झोपड़ी बनाकर सालों से बैठे लोगों को पेयजल आपूर्ति, राशन कार्ड, बिजली के कनेक्शन और वोटर कार्ड जारी हो जाते हैं। आखिर यह सब कौन करता है? वोट बैंक के रूप में विकसित हो जाने वाली अवैध बस्तियों को फिर वहां से हटाना स्थानीय रेलवे अफसरों के बूते की बात नहीं रह जाती है। आरपीएफ के महानिदेशक अरुण कुमार ने इस सवाल पर संवाददाता से कहा- रेलवे की जमीन पर हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए अभियान चलता ही रहता है। अतिक्रमण की कई श्रेणियां हैं, जिसमें अस्थाई अतिक्रमण को पुलिस तुरंत हटा देती है। लेकिन अतिक्रमण के कई मामले हैं जो अदालतों में विचाराधीन हैं। इनमें फैसला आने तक इंतजार करना पड़ता है। कुमार ने बताया कि रेलवे के महाप्रबंधक स्तर की हर बैठक में अतिक्रमण के मसले पर चर्चा होती है। अतिक्रमण हटाना रेलवे में सतत प्रक्रिया है। इसे नजरअंदाज नहीं किया जाता है। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अतिक्रमण हटाने में आरपीएफ की जहां जरूरत पड़ती है, वहां बल उपलब्ध कराया जाता है। रेलवे में अतिक्रमण को चार श्रेणियों में बांटा गया है। पहली में सबसे कठिन अतिक्रमण को रखा गया है। यह पुराना होने के साथ पक्के निर्माण वाला होता है। यहां का मामला अदालतों में होता है। इनकी निगरानी जोन महाप्रबंधक स्तर का अधिकारी करता है। इसी तरह के दूसरी श्रेणी के अतिक्रमण की निगरानी डीआरएम स्तर का अधिकारी अपने अफसरों के साथ करता है।

चीनी विदेश मंत्री को एस. जयशंकर की दो टूक,
सीमा पर गुस्ताखी की तो खैर नहीं

- चीनी विदेश मंत्री वांग यी को विदेश मंत्री जयशंकर ने दिया सख्त संदेश
- LAC पर यथास्थिति बदलने की एकतरफा कोशिश बर्दाश्त नहीं
- एलएसी पर भारी संख्या में चीनी सैनिकों की तैनाती पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद को लेकर जारी तनातनी के बीच शंघाई सहयोग संगठन में भाग लेने मॉस्को गए भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष वांग यी के बीच गुरुवार की रात करीब ढाई घंटे तक द्विपक्षीय वार्ता हुई। ढाई घंटे की इस मुलाकात में विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीनी समकक्ष वांग यी के बीच द्वीपक्षीय वार्ता के दौरान वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तनाव खत्म करने को लेकर 5 प्वाइंट पर सहमति बनी है। साथ ही इस बात पर भी सहमति बनी है कि दोनों देश सीमा विवाद को वार्ता के जरिए सुलझाएंगे। दोनों देशों के बीच यह आम सहमति बनी कि एलएसी पर तनाव कम करने के लिए दोनों देशों के बीच विभिन्न स्तरों (कूटनीतिक, सैन्य) पर बातचीत जारी रहेगी।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि मॉस्को में ढाई घंटे तक मुलाकात के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने सहमति व्यक्त की कि भारत-चीन संबंधों को विकसित करने के लिए दोनों पक्षों को नेताओं की आम सहमति की सीरीज से मार्गदर्शन लेना चाहिए। साथ ही मतभेदों को विवाद बनने देने की इजाजत नहीं देनी चाहिए।

मॉस्को में भारत और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच बैठक के बाद चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने काफी गहन चर्चा के बाद वर्तमान स्थिति के बारे में पांच-सूत्रीय सहमति पर पहुंचे हैं। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, बैठक के बाद चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा, दो पड़ोसी देश होने के नाते यह बहुत स्वाभाविक है कि चीन और भारत में कुछ मुद्दों पर असहमति है, मगर यहां अहम बात यह है कि उन असहमतियों को सही परिपेक्ष्य में देखा जाए।

चीनी विदेश मंत्रालय ने आगे कहा, चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि चीन और भारत के संबंध एक बार फिर दोराहे पर खड़े हैं। मगर जब तक दोनों पक्ष अपने संबंधों को सही दिशा में बढ़ाते रहेंगे, तब तक कोई परेशानी नहीं होगी और ऐसी कोई भी चुनौती नहीं होगी जिसको हल नहीं किया जा सकेगा।

चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय विदेश मंत्री ने यह स्पष्ट किया कि भारत एलएसी पर जारी तनाव को और नहीं बढ़ाना चाहता है और चीन के प्रति भारत की नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भारत का यह भी मानना है कि भारत के प्रति चीन की नीति में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। वहीं, सरकार के सूत्रों के मुताबिक, चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने स्पष्ट रूप से कहा कि इससे सीमावर्ती क्षेत्रों के प्रबंधन पर सभी समझौतों का पूर्ण पालन होने की उम्मीद है और एकतरफा रूप से यथास्थिति को बदलने के किसी भी प्रयास को नहीं माना जाएगा।

चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने स्पष्ट रूप से कहा कि इससे सीमावर्ती क्षेत्रों के प्रबंधन पर सभी समझौतों का पूर्ण पालन होने की उम्मीद है और एकतरफा रूप से यथास्थिति को बदलने के किसी भी प्रयास को नहीं माना जाएगा।

स्वामी अग्निवेश की हालत गंभीर,
अस्पताल में कराए गए भर्ती

आर्य समाज के जाने-माने नेता स्वामी अग्निवेश की तबियत बिगड़ने के बाद उन्हें दिल्ली के इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलेरी साइंसेज (आईएलबीएस) में भर्ती कराया गया है. वह लिवर सिरोसिस से पीड़ित हैं और इलाज के दौरान उन्हें मल्टी ऑर्गन फेल्योर की समस्या से भी जूझना पड़ रहा है।

- हरियाणा के पूर्व विधायक रहे 80 वर्षीय अग्निवेश ने 1970 में एक राजनीतिक पार्टी आर्य सभा की स्थापना की, जो आर्य समाज के सिद्धांतों पर आधारित थी।

नई दिल्ली। आर्य समाज के जाने-माने नेता स्वामी अग्निवेश की तबियत बिगड़ने के बाद उन्हें दिल्ली के इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलेरी साइंसेज (आईएलबीएस) में भर्ती कराया गया है. वह लिवर सिरोसिस से पीड़ित हैं और इलाज के दौरान उन्हें मल्टी ऑर्गन फेल्योर की समस्या से भी जूझना पड़ रहा है. अस्पताल की ओर से उनके इलाज पर निगरानी की जा रही है। आर्य समाज के नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता मंगलवार को आईएलबीएस में भर्ती हुए थे और तब से वह वेंटिलेटर पर हैं. एक विशेषज्ञ टीम उनकी स्थिति की निगरानी कर रही है. हरियाणा के पूर्व विधायक रहे 80 वर्षीय अग्निवेश ने 1970 में एक राजनीतिक पार्टी आर्य सभा की स्थापना की, जो आर्य समाज के सिद्धांतों पर आधारित थी. वह धर्मों के मामलों में वार्ता के लिए एक वकील भी हैं। उन्होंने कन्या भ्रूण हत्या और महिलाओं की मुक्ति के खिलाफ जैसे कई समाज सुधार आंदोलन भी चलाए हैं। वे जन लोकपाल विधेयक को लागू करने के लिए 2011 में इंडिया अगेंस्ट करप्शन अभियान के दौरान अन्ना हजारे के प्रमुख सहयोगी भी थे।

राम मंदिर ट्रस्ट के खाते से पैसा निकालने वाले का मुंबई कनेक्शन, महाराष्ट्र मे मिली लोकेशन

लखनऊ। श्री रामजन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के खाते से क्लोन चेक के जरिए छह लाख रुपये निकालने वाला जालसाज मुम्बई का है। एसएसपी दीपक कुमार ने बताया निकासी वाले खाते की लोकेशन महाराष्ट्र में मिली है। पुलिस की टीम मुंबई भेजी गई है।

ट्रस्ट के गोपनीय खाते से दो बार में हस्तांतरित छह लाख रुपयों में से चार लाख रुपये जालसाज निकाल चुका है। पंजाब नेशनल बैंक स्थित जालसाज के खाते में अभी दो लाख रुपये बचे हैं। भारतीय स्टेट बैंक की अयोध्या शाखा के प्रबंधक प्रियांशु शर्मा ने जालसाज के पीएनबी खाते को तात्कालिक रूप से फ्रीज करा दिया है। वहीं बैंक आफ बड़ौदा के खाते में लगाए गये नौ लाख, 86 हजार रुपये के चेक का भुगतान भी रोक दिया गया है।

मुकदमा दर्ज, जांच शुरू

पुलिस क्षेत्राधिकारी राजेश राय ने बताया कि ट्रस्ट महासचिव चंपत राय की तहरीर पर अयोध्या

कोतवाली में संज्ञेय अपराध की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इस प्रकरण में आवश्यक तथ्य जुटाने और जालसाज को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस दल भेजे गए हैं।

जालसाज को चेक नंबरों की सटीक सूचना मिली

रामजन्मभूमि ट्रस्ट की ओर से भुगतान के लिए एसबीआई में अलग खाता खोला गया है, जिससे कि आय-व्यय का लेखा-जोखा रखने में सुविधा हो। ट्रस्ट ने जमा खाता व चालू खाते के बारे में सार्वजनिक सूचना जारी की थी जिससे दानदाता राम मंदिर निर्माण के लिए अपना योगदान दे सकें लेकिन भुगतान के लिए खोला गया खाता उन्हीं लोगों तक सीमित है जिनसे ट्रस्ट लेन-देन कर रहा है। इसके बावजूद जालसाज ने न केवल खाते की जानकारी हासिल कर ली बल्कि उसे ट्रस्ट के लिए बैंक से निर्गत चेक के नंबरों की सटीक सूचना भी मिल गयी। इसी के जरिए जालसाज ने हस्ताक्षरित चेक के नंबरों को बदल-बदल कर दो बार में क्रमशः ढाई लाख और साढ़े तीन लाख की धनराशि का भुगतान अपने खाते में करा लिया। ट्रस्ट को इसी भनक भी नहीं लगी। इसके बाद जालसाज ने नौ लाख, 86 हजार का चेक भुगतान के लिए लगा दिया लेकिन इस बार चेक पीएनबी के बजाय बैंक आफ बड़ौदा के खाते में लगाया। इस चेक के भुगतान से पहले लखनऊ की मुख्य शाखा से वेरिफिकेशन के लिए ट्रस्ट महासचिव को फोन किया गया। तब जाकर मामले का खुलासा हुआ।

फिर भूकंप के झटकों से हिली मुंबई की धरती, तड़के 3.57 बजे महसूस किए गए झटके

मुंबई। मुंबई में बीते कुछ समय से कुछ-कुछ दिनों पर लगातार भूकंप के झटके देखने को मिल रहे हैं। आज फिर भूकंप के झटकों ने मुंबईवालों को हिला दिया। मुंबई में आज तड़के 3.37 बजे भूकंप आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.5 मापी गई है। यह जानकारी नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने दी है। बताया जा रहा है कि इस भूकंप में किसी तरह के हताहत होने की खबर नहीं है और न ही किसी जानमाल का नुकसान हुआ है। यह भूकंप ऐसे वक्त में आया जब मायानगरी में रहने वाले लोग सो रहे थे। जैसे ही भूकंप के झटके महसूस हुए, लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। इससे दो दिन पहले नौ सितंबर को महाराष्ट्र के पालघर जिले में तड़के 3.2 तीव्रता के भूकंप का झटका महसूस किया गया था। इसमें भी किसी जान और माल के नुकसान की खबर नहीं है। जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद

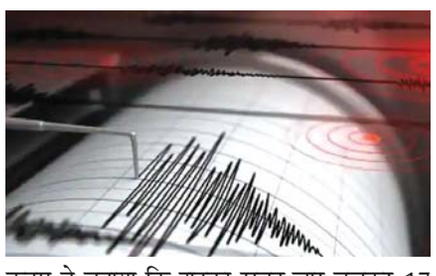

कदम ने बताया कि झटका सुबह चार बजकर 17 मिनट पर डहाणू ताल्लुका के दुन्दलवाड़ी गांव के पास रिकॉर्ड किया गया है। वहीं, जिले में पिछले शुक्रवार से ऐसे झटके महसूस किए जा रहे हैं, जिनमें शनिवार को आया 4.0 तीव्रता का झटका भी शामिल है। पालघर के डहाणू में नवंबर 2018 से भूकंप के झटके आ रहे हैं। ज्यादातर झटकों का केंद्र दुन्दलवाडी गांव के आसपास ही होता है।

शिवसेना के प्रदेश अध्यक्ष की हत्या के आरोप में पुलिस ने 7 लोगों को किया गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर पुलिस ने उन 7 लुटेरों को गिरफ्तार किया है जिन्होंने शिवसेना के प्रदेश अध्यक्ष रमेश साहू को वहां के तेजाजी नगर इलाके में 2 सितंबर के तड़के हत्या कर दी थी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में अन्य अभियुक्त फरार है।

पार्टी नेताओं के मुताबिक, 70 वर्षीय रमेश साहू पिछले करीब एक दशक से शिवसेना का सक्रिय सदस्य नहीं था और इंदौर के तेजाजी नगर में एक ढाबा चलाता था और उसके पास ही परिवार के साथ रहता था। पुलिस ने बताया कि बंदूकधारी लुटेर उनके घर में घुस गए और साहू व उनकी बेटी की पिटाई की। इसके साथ ही साहू को लूट के दौरान गोली मार दी। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोगों में धार जिले के मानवार का रहने वाला राहुल भिलाल, प्रेम, कमल, सुनील, कालू सोलंकी, विजय और अंतिम है। ये सभी धार के कुक्षी के रहने वाले हैं। इन सभी को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की 302, 395, 396, 397, 120बी और 34 के साथ ही आर्म्स एक्ट की धार 25 और 27 के तहत केस दर्ज किया गया है। इंदौर जोन के आईजी विवेक शर्मा ने गुरुवार को कहा, आरोपियों को पकड़ने के लिए कई टीमें बनाई थी। रमेश साहू के राजनीतिक पृष्ठभूमि से होने और करीब 20 से ज्यादा आपराधिक मामले होने के चलते पुलिस राजनीतिक दुश्मनी और संपत्ति विवाद के नजरिए से भी केस की जांच

कर रही है। हालांकि, इस हत्या में कोई राजनीतिक दुश्मनी की बात नहीं सामने आई है। 30 वर्षीय एक राहुल भिलाल को गिरफ्तार किया गया है जो पास में ही ढाबा चलाता था, जिससे इस क्राइम को सुलझाने में मदद मिल सकती है।

आईजी ने बताया, राहुल भिलाल इस वारदात के बाद से फरार था और इसलिए पुलिस को उसके इस अपराध में संभावित संलिप्तता को लेकर शक हुआ था। उसे गुजरात से गिरफ्तार किया गया। उसने इस अपराध में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसने पुलिसकर्मियों को बताया कि उसने अपने दो दोस्त प्रेम सिंह और कमल सिरवी को मृतक की संपत्ति के बारे में बताया था। उन्होंने साहू के घर में लूट की योजना बनाई थी। इसमें और पांच लोग शामिल थे।

दिल्ली में हर रोज आत्महत्या से मर रहे हैं 7 लोग, मरने वालों में पुरुषों की संख्या ज्यादा- एनसीआरबी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली में पिछले साल की तुलना में इस साल मानसिक बीमारियों के कारण आत्महत्या से मरने वालों की संख्या ढाई गुना से ज्यादा बढ़ी है। हालांकि विभिन्न स्वास्थ्य कारणों के कारण कुल मिलाकर आत्महत्याओं में काफी गिरावट आई है। आत्महत्याओं से मरने वालों की संख्या लगभग स्थिर रही- 2,526 और ज्यादातर आत्मदत्याओं में पारिवारिक कारणों का इसकी वजह बताया गया। पारिवारिक समस्याएं यानी परिवारों में झगड़े, रिश्तेदारों के साथ मतभेद आदि। डेटा में उन मामलों का कोई जिक्र नहीं है जिनमें आत्महत्या के प्रयास किए गए। आत्महत्या से औसतन रोज 7 लोग मारे जाते हैं जबिक 2019 में सड़क दुर्घटनाओं में औसतन रोज 4 लोगों की मौत हुई।

दिल्ली में हुई आत्महत्याओं से जुड़ा ये नया डेटा है। दिल्ली पुलिस इस तरह का कोई डेटा साझा नहीं करती है। पिछले साल दिल्ली मे आत्महत्या से मरने वाले 47 लोगों में मानसिक बीमारी को जिम्मेदार ठहराया गया इससे पिछले साल मरने वालों की संख्या कुल 18 थी और एक साल में बढ़कर 47 हो गई यानी 161 प्रतिशत की बढ़ोतरी. दोनों ही सालों में मरने वोलों के भीतर महिलाओं की संख्या 6 ही रही। पिछले साल हुई आत्मगत्या में 41 पुरुष थे और उससे पहले साल मरने वालों में 12। मनोवैज्ञानिक आत्महत्या करने की इस प्रवृत्ति के पीछे किसी विशेष कारण की ओर इशारा नहीं करते, यहां तक ??कि उन्होंने यह भी कहा कि जरूरी नहीं एनसीआरबी के डेटा सटीक हो। फोर्टिस नेशनल मेंटल हेल्थ प्रोग्राम के

निदेशक मनोचिकित्सक समीर पारिख ने कहा, अगर कोई व्यक्ति अपनी मानसिक बीमारी के लिए चिकित्सा उपचार की तलाश नहीं करता है, तो इससे पीड़ित होने के बावजूद उसकी गिनती नहीं की जाती है।

बेरोजगारी और शिक्षा

बेरोजगारी एक ऐसा कारण था जिसके कारण 2018 की तुलना में 2019 में अधिक आत्महत्याएं हुई। बेरोजगारी से आत्महत्या करने से कम से कम 118 लोगों की मौत हो गई, 2018 में ऐसी 98 मौतें हुई थी यानी इसमें भी 20 प्रतिशत का उछाल आया है। इसके अलावा, बेरोजगार लोगों की आत्महत्या की संख्या 2018 में 611 से बढ़कर 2019 में 677 हो गई।

डेटा बताता है कि मरने वाले लोग बुनियाद शिक्षा प्राप्त करके बेहद कम पैसा कमा रहे थे। 80त्न से अधिक आत्महत्याएं केवल 12 वीं कक्षा तक पढ़ने वाले लोगों द्वारा की गई थीं, और 61 प्रतिशत से अधिक लोग ऐसे थे, जिन्होंने सालाना 1 लाख रुपये से कम कमाया था। सभी आत्महत्याओं में से लगभग 10 प्रतिशत दैनिक मजदूर थे। मनोवैज्ञानिक रजत मित्रा ने खराब वित्तीय / शैक्षिक पृष्ठभूमि और उदासी व निराशा को आत्महत्याओं का कारण बताया है। मित्रा कहते हैं, कम पैसा कमाने वाले लोगों को निराशा की भावना और विकल्पों की कमी महसूस होती है इससे उनके आत्मसम्मान को चोट पहुंचती है और उनके पास आत्महत्या के विकल्प के पास कुछ नहीं रहता। उन्होंने कहा कि इस समस्या का एक संभावित समाधान ऐसे लोगों के बीच उद्यमशीलता की संस्कृति को विकसित करना था। मित्रा ने कहा, उन्हें पैसे कमाने के लिए कौशल हासिल करने में सक्षम होने और सरकार को अपना उद्यम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए आगे बढ़ने की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

पीठ पीछे की चिंता

राष्ट्रीय जनता दल के चंद कद्दावर नेताओं में शुमार रहे रघुवंश प्रसाद सिंह का पार्टी से इस्तीफा हमारी राजनीति के लिए न सिर्फ एक बड़ी घटना, बल्कि एक सबक भी है। हाथ से लिखे इस्तीफे के 30 शब्दों के साथ 32 साल के एक राजनीतिक सफर या राजनीतिक जोड़ी का अंत हो गया। कर्पूरी ठाकुर जैसे जमीनी और ईमानदार नेता के साथ काम करते हुए ही लालू प्रसाद यादव और रघुवंश प्रसाद सिंह की जोड़ी बनी थी। ये दोनों एक ही पार्टी के दो पहलू रहे। लालू के स्वभाव के विपरीत रघुवंश प्रसाद सिंह राष्ट्रीय जनता दल में विकास की राजनीति का चेहरा थे। खांटी ग्रामीण पृष्ठभूमि के साथ-साथ उनकी छवि में पढ़े-लिखे ईमानदार नेता का पहलू भी बखूबी शामिल रहा है। वह अचानक राष्ट्रीय जनता दल से नहीं गए हैं, बल्कि उन्हें दल से धीरे-धीरे जाने दिया गया है। लालू प्रसाद यादव को लिखे उनके एकाधिक पत्र गवाह हैं कि रघुवंश प्रसाद सिंह बेमन से राजद से जुदा हुए हैं। कई बार बहुत कम पढ़े-लिखे नेताओं को आगे बढ़ाने वाले दल ने अपने सबसे पुराने पढ़े-लिखे नेता का मोल नहीं समझा। सत्ताकांक्षी कोई दल अपने सबसे अनुभवी नेता को ऐसे खोता है क्या? यह केवल राजद नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति के लिए भी सोचने का समय है कि हम योग्यता को किस तरह से हाशिये की ओर धकेलते चले जा रहे हैं। रघुवंश प्रसाद सिंह अब जिस भी दल में जाएंगे, वह दल पहले से संपन्न ही होगा, लेकिन जिस दल ने उन्हें गंवा दिया है, वह भरपाई कैसे करेगा? उनकी चिट्ठी में जो दर्द व्यंजित हो रहा है, वह दरअसल लालू प्रसाद यादव को संबोधित है। उन्होंने लिखा है, '32 वर्षों तक आपके पीठ पीछे खड़ा रहा, लेकिन अब नहीं'। वाकई जब लालू यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद एक-एक कर काफी नेता साथ छोड़ते गए, जब लालू यादव ने अलग दल का निर्माण किया, जब वह चारा घोटाले के कारण जेल गए, तब भी रघुवंश प्रसाद सिंह पीठ पीछे ही खड़े रहे। लेकिन शायद यह भारतीय राजनीति का दुखद पहलू है कि कुछ ऐसे मजबूत दल हैं, जहां परिवार से बाहर का कोई सक्षम व्यक्ति उपाध्यक्ष पद से आगे नहीं बढ़ सकता। मुख्यमंत्री की कुरसी की जद्दोजहद में रघुवंश प्रसाद सिंह कभी नहीं दिखे, मगर अपने दल में यथोचित सम्मान के हकदार तो बेशक थे। उनकी एक छवि बिहार से बाहर पूरे देश के लिए यादगार है। मनरेगा जैसी महत्वाकांक्षी महा-योजना की जब शुरुआत हुई, तब रघुवंश प्रसाद सिंह ही केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री थे। उन्होंने देश को दिखाया कि बिहार के पास एक नेता ऐसा भी है, जो चुपचाप किसी बड़े नेता के 'पीठ पीछे' रहते बड़े काम को अंजाम दे सकता है। भारतीय राजनीति में इस समझ का पैदा होना अब और भी जरूरी हो गया है कि योग्यता वंशवाद से भी ज्यादा महत्व रखती है। इसमें यह भी जोड़ा जा सकता है कि वंशवाद को योग्यता की जरूरत हमेशा रहेगी और उसे देखना होगा कि उसके 'पीठ पीछे' का कोई सशक्त इंसान इस्तीफा देकर कहीं सामने न खड़ा हो जाए। आज जिस तरह चौतरफा चुनौतियों से हम घिरते चले जा रहे हैं, हमें राजनीति में भी योग्य लोगों को जुटाकर मजबूत करना होगा। हर दल को ऐसे जतन करने होंगे कि आंतरिक राजनीति में किसी वरिष्ठ नेता का कभी दिल न टूटे, ऐसा न लगे कि दल ने इस्तेमाल करके फेंक दिया।

घातक है संकट पर शुतुरमुर्गी रवैया

विश्वनाथ सचदेव

देश में शायद पहली बार एक तिमाही में विकास दर में चौबीस प्रतिशत की कमी आयी है। पिछले पांच-छह महीने में लगभग दो करोड़ नौकरियां छिन गई हैं। देश में काम कर रही एक बड़ी आई.टी. कंपनी ने घोषणा की है कि आने वाले कुछ महीनों में उसे लगभग दस हज़ार कर्मचारियों को हटाना पड़ सकता है। राज्यों के पास अपने स्टाफ को वेतन देने के लिए पर्याप्त राशि नहीं है। राज्य केंद्र से अपने हिस्से की जीएसटी की मांग कर रहे हैं और केंद्र सरकार राज्यों से कह रही है कि रिजर्व बैंक से ऋण लेकर अपनी आवश्यकता की पूर्ति करें। बेरोजगारी का आलम यह है कि रेलवे में लगभग डेढ़ लाख रिक्त स्थानों के लिए एक करोड़ से अधिक युवाओं ने आवेदन किया है। और साल-भर लग गया है रेलवे को इन आवेदन पत्रों की छंटाई करने में! जहां तक औद्योगिक उत्पादन का सवाल है, मार्च के महीने में इसमें 17 प्रतिशत की कमी आई थी। पिछले पंद्रह सालों में इतनी कमी कभी नहीं हुई। यूं तो सारी दुनिया कोरोना से जूझ रही है, हमारी लड़ाई शायद सबसे ज्यादा चिंताजनक स्थिति में है। कोविड से ग्रसित लोगों की संख्या की दृष्टि से कल तक हमारा स्थान दुनिया में तीसरा था। हम सिर्फ ट्रंप के अमेरिका के पीछे हैं और यह दूरी भी अधिक से अधिक महीने भर में पाट ली जायेगी! पिछले छह महीनों में कोरोना के बेरोजगारी, भुखमरी, कुपोषण आदि के क्षेत्रों में जो हालात बिगड़े थे, उनमें कोई ठोस सुधार होता दिख नहीं रहा। और देश की वित्त मंत्री इस सब के लिए भगवान को दोषी ठहरा रही हैं। अंग्रेजी में इसे 'एक्ट ऑफ गॉड' कहते हैं। यही कहा है उन्होंने। वह सफाई दे सकती हैं कि उनके कथन का गलत मतलब निकाला जा रहा है। अंग्रेजी के इन शब्दों का अर्थ प्रकृति का काम हुआ करता है। होता होगा यह अर्थ, पर इस सारी स्थिति पर जिम्मेदार तत्वों का जो रुख दिखाई दे रहा है, उसका मतलब तो यही निकलता है कि स्थिति को सुधारना हमारे बस का नहीं है। देश हताशा की एक गंभीर स्थिति से गुजर रहा है। स्थितियां लगातार बिगड़ती जा रही हैं और सुधरने के कोई आसार नहीं दिख रहे। सच तो यह है कि एक ओर सरकारें अपनी शुतुरमुर्गी प्रवृत्ति का परिचय दे रही हैं और दूसरी ओर सरकारों को चेताने वाला भी कोई नहीं दिख रहा। जनतांत्रिक व्यवस्था में यह काम विपक्ष और मीडिया का होता है। हमारी त्रासदी यह है कि विपक्ष अपनी भूमिका निभाने लायक नहीं रहा और मीडिया चौकीदारी की अपनी भूमिका को निभाना ही नहीं चाहता। जिस तरह मीडिया में, खासतौर पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में एक कलाकार की संदिग्ध मृत्यु का मुद्दा चौबीसों घंटे छाया हुआ है, उसे देखते हुए तो यही लगता है कि देश में इस गुत्थी को सुलझाने के अलावा और कोई समस्या ही नहीं बची। अगर ऐसा नहीं है तो इस स्थिति का एक ही मतलब निकलता है कि या तो हमारा मीडिया इतना नासमझ है कि उसे सही-गलत का पता ही नहीं चल रहा, या फिर कुछ तत्व हैं जो अपने निहित स्वार्थों के लिए मीडिया को अपने इशारों पर नचा रहे हैं। ये दोनों ही स्थितियां हमारे जनतंत्र के लिए खतरे की घंटी हैं। हैरानी और पीड़ा होती है यह देखकर कि हमारे मीडिया को देश की बेरोजगारी, खस्ताहाल आर्थिक स्थिति, युवाओं की निराशा, मजदूरों की त्रासदी, किसानों की बदहाली आदि से जैसे कोई लेना-देना नहीं है। अपवाद हैं कुछ, पर कुल मिलाकर हमारा मीडिया सवाल तो पूछ रहा है। पर सवाल यही है कि सुशांत को किसने मारा। एक कलाकार ही नहीं, देश के किसी भी नागरिक की आत्महत्या या हत्या समूची व्यवस्था के लिए एक चुनौती होनी चाहिए। हमारा संविधान हर नागरिक को जीने का अधिकार देता है और इस अधिकार की रक्षा का दायित्व व्यवस्था पर होता है। ऐसी स्थिति में सवाल तो उठने ही चाहिए, उत्तर भी मिलने चाहिए पर जब सवाल पूछने वाले अपना संतुलन खोते दिखने लगें और उत्तर देने के लिए जिम्मेदार तत्व इसे लोगों का ध्यान बंटाने की दृष्टि से देखें, तो विवेकशील नागरिकों का दायित्व बनता है कि वे स्थिति की गंभीरता को उजागर करें। बहरहाल, आज स्थिति गंभीर लग रही है। चीन हमारी उत्तरी सीमा पर आंखें गड़ाये बैठा है, पाकिस्तान कश्मीर में खुराफात करने की फिराक में है, आर्थिक मोर्चे पर हम चुनौतियों को समझ ही नहीं पा रहे अथवा समझना ही नहीं चाहते; देश के युवा जो हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं, निराशा-हताशा के दौर से गुजर रहे हैं। मजदूर भूखा है, किसान परेशान। कोरोना के चलते सारा भविष्य अनिश्चित-सा लग रहा है। जिनके कंधों पर बोझ है स्थिति सुधारने का, वे या तो आंख चुरा रहे हैं या फिर राह भटका रहे हैं। स्थिति की भयावहता को समझना जरूरी है। कबूतर की तरह आंख बंद करके यह मान लेना आत्महत्या ही होगा कि बिल्ली नहीं है। खतरा सामने है। इससे आंख चुराकर नहीं, इससे आंख मिलाकर इसका मुकाबला करने की आवश्यकता है। हमारे यहां खतरों को न समझने अथवा टालने की जो प्रवृत्ति काम कर रही है, या लोगों का ध्यान बांटकर अपना हित साधने का जो खेल चल रहा है, उसे समाप्त करना ही होगा। नेतृत्व से यह अपेक्षा की जाती है कि वह समस्याओं को सुलझाने की राह दिखाये, बरगलाये नहीं। एक चुनावी सभा में बोले गए कुछ शब्द दोहराना चाहता हूं 'वादा था एक करोड़ रोजगार प्रतिवर्ष देने का, क्या हुआ उसका? झूठे वादे करने वालों पर क्यों भरोसा करें हम? आज नौजवानों के सामने कोई भविष्य नहीं दिख रहा। माताएं-बहनें अपने आप को सुरक्षित नहीं महसूस कर रहीं। ऐसे में वोट मांगने की हिम्मत कैसे कर रहे हैं लोग।' ये अथवा कुछ ऐसे ही शब्द थे जो सन् 2014 के चुनाव-प्रचार में बोले गये थे। और बात जनता को अच्छी लगी थी। नेताजी को सफलता भी मिली। आज यही शब्द दोहराने का मन हो रहा है। जिस तरह स्थितियों को अनदेखा किया जा रहा है, जिस तरह समस्याएं गहराती जा रही हैं, जिस तरह जनता को यह लग रहा है कि नेतृत्व बरगलाने की कोशिश में लगा है, उसे देखकर यह पूछने का मन होता है कि अनुसनी की कोई हद होती है कि नहीं? यह बात सिर्फ राजनीतिक नेतृत्व से ही नहीं पूछी जानी चाहिए, मीडिया के उन कर्णधारों से भी पूछी जानी चाहिए जो सवाल पूछना अपना अधिकार मानते हैं।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आज के ट्वीट

नोटिस

शाहरुख खान का मन्नत भी अवैध है जिसके लिए कई नोटिस दिए जा चुके है उस पर बुलडोजर कब चलेगा?? महाराष्ट्र BMC

- अर्णव गोस्वामी

ज्ञान गंगा

अद्भुत

जग्गी वासुदेव

एक अद्भुत सच्ची घटना है, जो दूसरे विश्व युद्ध के दौरान बदनाम जर्मन यातना शिविर 'ऑशविट्ज़' में घटी। लोगों को नम्बर से बुलाया जा रहा था और उन्हें मारने वाले इलाके में ले जाया जा रहा था। कोई भी नम्बर कभी भी बुलाया जा रहा था, और बूढ़े और कमजोर लोग जो काम नहीं कर सकते थे, उन्हें चुना जा रहा था। जिसका नम्बर बुलाया जा रहा था, उसकी मौत तय थी। एक आदमी का नम्बर बुलाया गया और वो बहुत ही डर गया। जाहिर था कि वो मरना नहीं चाहता था। उसके पास ही एक क्रिश्चियन मिशनरी खड़ा था, जिसका नम्बर नहीं बुलाया गया था। उस आदमी का डर देख कर वो बोला, 'डरो मत। तुम्हारी जगह मैं जाऊंगा'। उस आदमी को बहुत शर्म आई पर उसने उनकी बात को नहीं ठुकराया। वो जिंदा रहना चाहता था। मिशनरी मारा गया। बाद में जर्मनी की हार हुई और यह आदमी छूट कर बाहर आ गया। कई सालों तक वो हार और शर्म के भाव में जीता रहा और उसने यह बात अपनी जीवन कथा में कही। उसे यह समझ में आया कि उसके यह सब करने का कोई फायदा नहीं था क्योंकि उसका जीवन ही किसी से मिला हुआ दान था। किसी और की महानता के कारण वो जी रहा था, नहीं तो उस दिन वो ही मारा जाता। नम्बर उसी का था। वो मिशनरी उसे नहीं जानता था। वो उसका दोस्त, पिता, या पुत्र, कुछ भी नहीं था। सिर्फ उसके डर और दुख को कम करने के लिए उसने यह निर्णय लिया था। केवल वह आदमी जीवन को जानेगा-वो जो चला गया, वो नहीं जो पीछे रह गया।सिर्फ वही अपने आप में एक खास मजबूती और शक्ति का अनुभव कर सकता है, वह आदमी नहीं जो अपने आप को बचा रहा है-वो यह अनुभव कभी नहीं कर सकता। इसका मतलब यह नहीं है कि आप जा कर अपना बलिदान दे दें, या ऐसा कुछ पागलपन करें। वो आदमी जो अपनी मौत की तरफ गया, वो अपना बलिदान देने की बात नहीं सोच रहा था। वो किसी दूसरे के लिए अपने आप को बलिदान करने के लिए उतावला नहीं हो रहा था। उस समय उसने बस यह देखा कि क्या करने की जरूरत थी और उसने बिना दूसरा कोई विचार किए, बस यह कर दिया। यह एकदम अद्भुत बात है।

कमला की कामयाबी से भारतीय उम्मीदें

अरुण मैथानी

कहना कठिन है कि भारतीय मूल की मां और जमैका मूल के पिता डॉनल्ड हैरिस की संतान कमला हैरिस का भारतीय संस्कारों और भारत से कितना लगाव बरकरार है, लेकिन भारतीय खुश हो सकते हैं कि भारतवंशी कमला हैरिस ने अमेरिका में उपराष्ट्रपति पद के लिये दावेदारी हासिल कर ली है। अमेरिका में रहने वाले भारतीयों का एक वर्ग मानता है कि कमला का रूझान भारतीयों के बजाय अफ्रीकी समुदाय के प्रति ज्यादा रहा और वे अश्वेत के मुद्दों पर ज्यादा मुखर रही हैं। लेकिन इसके बावजूद उनकी भारतीय मूल की पहचान बरकरार है। अमेरिकी चुनावों में प्रभावशाली भूमिका निभाने वाले भारतवंशियों को लुभाने के लिए वह भारत में अपने अतीत व तमिलनाडु में ननिहाल से जुड़े अनुभव साझा करती नजर आती हैं। बहरहाल, कमला हैरिस एक बहुमुखी प्रतिभा की धनी महिला हैं। शुरुआती दौर में राष्ट्रपति पद के लिये दावा जताने वाली कमला की यह मुहिम सिरे न चढ़ सकी। कालांतर उन्होंने उपराष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से दावेदारी हासिल कर ली। उम्रदराज जोसफ बाइडन ने अपनी रनिंग मेट के रूप में कमला हैरिस को चुना है। उन्होंने कहा भी है कि में डेमोक्रेटिक पार्टी के लिये नया नेतृत्व तैयार कर रहा हूं। जिसका मतलब है कि भविष्य में कमला अमेरिका का नेतृत्व कर सकती हैं। चेन्नई में जन्मी श्यामला गोपालन ऐसे समय में भारत से अमेरिका के लिये निकली थी, जब किसी अकेली लड़की के लिये अकेले सात समुंदर पार जाकर पढ़ना सहज संभव नहीं था। व्यावसायिक हवाई उड़ाने तब शुरू ही हुई थी। कमला के नाना-नानी ने उन्हें यह इजाजत दी। उन्होंने उन्नीस साल की उम्र में दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक करने के बाद बर्कले में उच्च शिक्षा के लिये आवेदन किया। एक अनजाने देश और विश्वविद्यालय में 1958 में वह न्यूट्रीशिन और एंडोक्रनॉलाजी में पीएचडी करने निकली। कालांतर वह ब्रेस्ट कैंसर के फील्ड में रिसर्चर बन गई। मानवाधिकारों के लिये संघर्ष करते हुए बर्कले में श्यामला डॉनल्ड हैरिस के संपर्क में आई और कालांतर दोनों का विवाह हुआ। श्यामला का परिवार भारत में राजनीतिक व नागरिक आंदोलन से जुड़ा रहा है। बहरहाल, आज कमला अमेरिका में जानी-मानी अश्वेत नेता हैं मगर उन्होंने भारतीय जड़ों को नकारा नहीं है। दरअसल, पिता से तलाक के बाद उनकी व बहन माया की परवरिश भारतीय संस्कारों के बीच श्यामला ने की। फिर कमला ने वर्ष 2014 में वकील डगलस एम्पहॉप से शादी कर ली। शादी में भारतीय व यहूदी परंपराएं निभायी गईं। लेकिन इसके बावजूद उनकी छवि एक अफ्रीकी अमेरिकी राजनेता के रूप मे उभरी है। पिछले दिनों एक अफ्रीकी मूल के अमेरिकी की पुलिस प्रताड़ना से हुई मौत के बाद उपजे 'ब्लैक लाइव्स मैटर्स' आंदोलन में उनकी भूमिका के चलते उनकी यह छवि और मजबूत हुई। भारतीय व अफ्रीकी मूल के निर्णायक वोटों को नजर में रखते हुए डेमोक्रेटिक पार्टी ने उनकी दावेदारी का समर्थन दिया। बहरहाल, आज अमेरिका में कमला की छवि एर आधुनिक व उदार मूल्यों तथा मानवाधिकारों के लिये संघर्ष करने वाली महिला के रूप में बनी है। वर्ष 2016 में सीनेटर चुनी गई कमला इससे पूर्व कैलिफोर्निया की अटॉर्नी जनरल थीं। यहां उल्लेखनीय है कि ट्रंप-मोदी फेक्टर के चलते भारतीयों के रिपब्लिकन पार्टी की ओर बढ़े झुकाव को कम करने के लिये कमला की दावेदारी को बल मिला है। बहरहाल, अमेरिका की दोनों प्रमुख

पार्टियों ने आज तक किसी अश्वेत महिला को राष्ट्रपति पद का दावेदार नहीं बनाया। कमला उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनने वाली पहली अश्वेत महिला हैं। कैलिफोर्निया के ओकलैंड में जन्मी कमला ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की जो अश्वेतों की यूनिवर्सिटी के रूप में जानी जाती है। बाद में कमला ने कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री ली और फिर वकालत आरंभ की। कमला एक मुखर व करिश्माई बहस करने वाली सीनेटर के रूप में जानी जाती हैं। उनकी गिनती सीनेट के दो महत्वपूर्ण समितियों खुफिया व न्याय में असरदार सांसद के रूप में हुई। उन्होंने अश्वेत होने को कभी अपनी कमजोरी के रूप में स्वीकार नहीं किया और कहा 'मैं वो हूं, जो हूं।' रिपब्लिकन उनके वामपंथी झुकाव को लेकर उन्हें आलोचनाओं के केंद्र में रखते रहे हैं। आज कमला अपनी भारतीय विरासत को खूब प्रचारित करती हैं। वह दक्षिण भारतीय व्यंजनों में अपनी रुचि दिखाती हैं। अपने ननिहाल के अनुभवों का जिक्र करती हैं। नाना के साथ बिताये गये क्षणों का बखान करती हैं। वह बताती हैं कि अपने मामा और दो मौसियों से उनका काफी समय तक संपर्क रहा है। अमेरिका में रहने वाला 39 लाख भारतवंशियों की उनको लेकर मिश्रित प्रतिक्रिया है। एक तबका मानता है कि आने वाले समय में अमेरिकी समाज में भारतीयों का रुतबा बढ़ेगा। वहीं एक तबका ऐसा है जो भारत के बारे में उनके प्रतिकूल रुख की बात करता है। उनका मानना है कि कमला ने सदैव अपने को भारतीय के बजाय अफ्रीकी मूल का होने के तरजीह दी है। कहा तो यहां तक गया कि उन्होंने भारत की कश्मीर नीति की आलोचना की थी, जो पाक सोच के अनुरूप थी।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उड़ानों की संख्या 1,300 पर, यात्रियों की 1.32 लाख के पार

नई दिल्ली: पूर्णबंदी के बाद से पहली बार गुरुवार को घरेलू उड़ानों की संख्या 1,300 के पार और हवाई यात्रियों की संख्या 1.32 लाख के पार पहुंच गई। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, कल रिकॉर्ड 1,308 उड़ानें रवाना हुईं। इन उड़ानों में कुल 1,32,293 यात्रियों ने सफर किया जो पूर्णबंदी के बाद का नया रिकॉर्ड है। पूर्णबंदी के दौरान 25 मार्च से देश में सभी प्रकार की नियमित यात्री उड़ानों पर रोक लगा दी गई थी। दो महीने के अंतराल के बाद 25 मई से घरेलू यात्री उड़ानें दुबारा शुरू की गई हैं। पहले कोविड-पूर्व की तुलना में एक-तिहाई उड़ानों की अनुमति दी गई थी, जिसे बाद में बढ़ाकर अब 60 प्रतिशत कर दिया गया है। कोविड-19 महामारी से पहले देश में रोजाना औसतन तीन हजार उड़ानें रवाना होती थीं जिनमें तीन लाख के करीब यात्री सफर करते थे। यात्रियों की संख्या कम रहने के कारण विमान सेवा कंपनियां अभी 60 फीसदी उड़ानों का भी परिचालन नहीं कर रही हैं।

कोविड संकट से निपटने के लिए भारत में एक और राहत पैकेज की जरूरत- IMF

बिजनेस डेस्क: कोरोना के मामले दिन प्रति दिन बढ़ते ही जा रहे हैं। इससे ना सिर्फ वैश्विक अर्थव्यवस्था, बल्कि घरेलू अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हुई है। सरकार द्वारा लगातार उठाए जा रहे कदमों के बाद भी घरेलू अर्थव्यवस्था में भारी गिरावट आई। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने कहा कि भारत में कोविड संकट से निपटने के लिए एक और राहत पैकेज की जरूरत है। कोविड-19 के कारण भारत के विकास और गरीब वर्ग पर बड़ा दुष्प्रभाव पड़ा है। इस संदर्भ में आईएमएफ के सूचना विभाग के निदेशक गेरी राइस ने एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह बहुपक्षीय संस्था इस महामारी से निपटने के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को सही मानती है। इन कदमों को मजदूरों व गरीब परिवारों को केंद्र में रख कर उठाया गया है। आगे उन्होंने कहा कि, भारत सरकार ने वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों और कर्जदारों की मदद के लिए भी कदम उठाए। कर्ज में ढील और नकदी प्रवाह बढ़ाने के जो उपाय किए गए हैं, हम उसके पक्ष में हैं।

और राजकोषीय प्रोत्साहन की जरूरत

लेकिन राइस ने यह भी कहा कि भारत में अभी और भी राजकोषीय प्रोत्साहन की जरूरत है। कमजोर वर्ग के लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं, खाद्यान्न और आमदनी की मदद व उद्यमों की मदद के लिए खर्च की आश्यकता है। उन्होंने कहा कि जल्द ही राजकोषीय स्थिति को सुधारने की एक विश्वस्नीय योजना जारी किया जाना और उसको अच्छी तरह बताया जाना जरूरी है। मालूम हो कि चालू वित्त वर्ष की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 23.9 फीसदी की गिरावट आई है, जो चिंताजनक है। देश में लगातार दूसरे दिन कोरोना संक्रमण के मामलों में उछाल देखने को मिला है। शुक्रवार को एक बार फिर एक दिन में कोरोना संक्रमण के नए मामलों ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। शुक्रवार को 96,551 नए मामले सामने आए। इन नए मामलों के साथ देश में कोविड-19 के मरीजों की संख्या बढ़कर 45 लाख 62 हजार से अधिक हो गई है।

यस बैंक ने RBI को 50 हजार करोड़ लौटाए, कहा- SBI के साथ मर्जर का कोई प्लान नहीं

मुंबई: यस बैंक ने आज कहा कि उसने भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) को स्पेशल लिक्विडिटी फैसिलिटी के पूरे 50,000 करोड़ रुपए पूरी तरह से चुका दिया है। बैंक के चेयरमैन सुनील मेहता ने गुरुवार को आयोजित शेयरधारकों की सालाना आम बैठक में इसकी जानकारी दी। मेहता ने शेयरधारकों को बताया, हमने आरबीआई को 8 सितंबर को एसएलएफ के 50,000 करोड़ रुपए की पूरी राशि चुका दी है। मार्च में RBI ने यस बैंक पर मोरटोरियम लागू कर दिया था जिसके बाद यस बैंक के ग्राहक अपने खातों से सीमित पैसा ही निकाल सकते थे। यह पहले तीन महीने के लिए था जिसे बाद में सितंबर मध्य तक बढ़ा दी गई थी। बैंक के चेयरमैन ने कहा कि मार्च में बैंक का रिकंस्ट्रक्शन होने के बाद कस्टमर लिक्विडिटी इनफ्लो बढ़ा है।

SBI के साथ विलय नहीं योजना नहीं

निवेशकों के सवालों को संबोधित करते हुए, क्या बैंक का भारतीय स्टेट बैंक (SBI) के साथ विलय होने वाला था? मेहता ने कहा कि ऐसी कोई योजना नहीं थी। उन्होंने कहा, न तो बैंक और न ही किसी प्राधिकरण ने ऐसे किसी प्रस्ताव पर चर्चा की है जहा तक मैं जानता हूं। बैंक के कुछ निवेशकों ने इसके पुनर्निर्माण के बाद कई वर्षों तक अपनी हिस्सेदारी को फ्रीज करने के बैंक के फैसले के बारे में चिंता जताई। बैंक के एमडी और सीईओ प्रशांत कुमार ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगले 3 वर्षों के लिए शेयरों को फ्रीज करने का निर्णय सभी शेयरधारकों के बड़े हित को ध्यान में रखते हुए लिया गया था।

तीन सरकारी बैंकों ने ग्राहकों को दिया तोहफा, एक साथ लिया ये बड़ा फैसला

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के इस दौर में निजी से लेकर सरकारी बैंकों ने अपने-अपने ग्राहकों के लिए राहत की सौगात दी है। इनमें से कई बैंकों ने नई स्कीम लांच की तो कई बैंक ऐसे भी हैं जो कर्ज पर ब्याज दर कम कर रहे हैं। इस कड़ी में अब तीन सरकारी बैंकों- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक ने अपने ग्राहकों को खुशखबरी दी है। अगर आप इन बैंकों के ग्राहक हैं तो आपको सस्ती दर पर लोन मिल सकेगा। जानें इन नई दरों के बारे में.. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने प्रमुख लोन ब्याज दर (एमसीएलआर) में 0.05 फीसदी की कटौती की है। बैंक ने एक साल की अवधि वाले लोन पर ब्याज दर 7.65 फीसदी से घटाकर 7.55 फीसदी कर दी है। यह दरें गुरुवार से लागू हो गई। सरकारी बैंक इंडियन ओवरसीज बैंक ने भी एमसीएलआर में 0.10 फीसदी की कटौती की है। बैंक ने एक साल की अवधि वाले लोन पर ब्याज दर 7.65 फीसदी से घटाकर 7.55 फीसदी कर दी है। नई दरें गुरुवार से लागू हो गई।

पेट्रोल-डीजल की मांग में बड़ी गिरावट, अप्रैल के बाद अगस्त में सबसे कम

नई दिल्ली :

देश में अगस्त में ईंधन की मांग में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक यह अप्रैल के बाद सबसे बड़ी गिरावट है। कोरोना वायरस के कारण स्थानीय स्तर पर लगने वाले लॉकडाउन से आर्थिक गतिविधियां बाधित हुई हैं, जिससे ईंधन की मांग प्रभावित हुई।

इतनी हुई बिक्री

पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के आंकड़ों के अनुसार अगस्त में पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री पिछले महीने की तुलना में 7.5 फीसदी घटकर 1.43 करोड़ टन रह गई। वहीं एक साल पहले के अगस्त महीने की तुलना में बिक्री में 16 फीसदी की गिरावट आई है। वर्ष के दौरान अगस्त लगातार छठा महीना है जबकि पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री में एक साल पहले के मुकाबले गिरावट आई है।

अप्रैल 2020 में थी रिकॉर्ड गिरावट

अप्रैल 2020 में ईंधन की मांग रिकॉर्ड 48.6 फीसदी की गिरावट के साथ 94 लाख टन रही थी। उस समय सरकार ने कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लगाया था। उसके बाद के दो महीनों में ईंधन की मांग कुछ सुधरी। लेकिन जुलाई से मासिक आधार पर मांग में लगातार गिरावट आ रही है।

इतनी हुई पेट्रोल-डीजल की बिक्री

देश में सबसे अधिक बिकने वाले ईंधन डीजल की बिक्री अगस्त में 12 फीसदी गिरकर 48.4 लाख टन रह गई, जो जुलाई में 55.1 लाख टन थी। सालाना आधार पर डीजल की बिक्री में 20.7 फीसदी की गिरावट रही। इसी तरह अगस्त में पेट्रोल की बिक्री सालाना आधार 7.4 फीसदी घटकर 23.8 लाख टन रह गई। हालांकि जुलाई के मुकाबले इसमें 5.3 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी। जुलाई में 22.6 लाख टन पेट्रोल की बिक्री हुई थी।

घटी LPG बिक्री

अगस्त में एलपीजी बिक्री सालाना आधार पर पांच फीसदी घटकर 22 लाख टन रही। वहीं मिट्टी तेल की मांग 43 फीसदी घटकर 1,32,000 टन रह गई। माह-दर-माह आधार पर इनकी बिक्री लगभग स्थिर रही। उद्योग सूत्रों का कहना है कि पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री को कोविड-पूर्व के स्तर पर पहुंचने में तीन-चार माह लगेंगे। पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इससे पहले कहा था कि त्योहारी सीजन के दौरान पेट्रोलियम की मांग सामान्य हो जाएगी, लेकिन कई राज्यों में लॉकडाउन की वजह से अभी मांग सामान्य नहीं हो पा रही है। अगस्त में नाफ्था की बिक्री जुलाई की तुलना में 16 फीसदी घटकर 10.7 लाख टन रही। अगस्त, 2019 के 14 लाख टन की तुलना में यह 24 फीसदी कम है। सड़क निर्माण में काम आने वाले बिटुमन की बिक्री सालाना आधार पर 39.1 फीसदी बढ़कर 3,16,000 टन पर पहुंच गई। हालांकि, मासिक आधार पर इसमें 18 फीसदी की गिरावट आई।

मूडीज का अनुमान, भारतीय अर्थव्यवस्था में चालू वित्त वर्ष में आएगी 11.5% की गिरावट

नई दिल्ली: मूडीज इनवेस्टर्स सर्विस ने इस वित्त वर्ष के लिए भारत की वृद्धि का अनुमान घटा दिया है। उसने पहले इसमें 4 फीसदी गिरावट का अनुमान जताया था लेकिन शुक्रवार को इसे -11.5 फीसदी कर दिया। एजेंसी का कहना है कि कम ग्रोथ, ज्यादा कर्ज बोझ और कमजोर वित्तीय व्यवस्था का कारण भारत के क्रेडिट प्रोफाइल पर दबाव बढ़ रहा है। कोरोनावायरस महामारी के कारण ये जोखिम और बढ़ गए हैं। मूडीज ने कहा कि इकॉनमी और फाइनेंशियल सिस्टम में गहरे दबाव के कारण परस्पर जोखिम से राजकोषीय स्थिति और बदतर हो सकती है जिससे क्रेडिट प्रोफाइल पर दबाव और बढ़ सकता है। एजेंसी ने वित्त वर्ष 2021-22 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 10.6 फीसदी की रफ्तार से बढ़ने का अनुमान जताया है। उल्लेखनीय है कि इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ में 23.9 फीसदी की रिकॉर्ड गिरावट आई थी।

दूसरी एजेंसियों का अनुमान

इससे पहले एक और ग्लोबल एजेंसी फिच ने पिछले सप्ताह इंडियन इकॉनमी के बारे में अपना अनुमान व्यक्त किया था। एजेंसी ने इस वित्त वर्ष इसमें 10.5 फीसदी की गिरावट का अनुमान जताया है। घरेलू एजेंसियों क्रिसिल और इंडिया रेटिंग्स ने इस वित्त वर्ष में इकॉनमी में क्रमशः 9 फीसदी और 11.8 फीसदी की गिरावट का अनुमान जताया है।

PNB दे रहा है सस्ते में मकान व दुकान खरीदने का मौका, आप भी उठा सकते हैं फायदा

नई दिल्ली :

अगर आप घर या दुकान खरीदने की सोच रहे हैं तो देश का दूसरा सबसे बड़ा सरकारी बैंक पीएनबी आपको ये मौका दे रहा है। दरअसल PNB रेजिडेंशियल/कमर्शियल प्रॉपर्टीज की राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन मेगा ई-नीलामी (ऑक्शन) करने जा रहा है। यह नीलामी पारदर्शी तरीके से 15 और 29 सितंबर को की जाएगी। आइए आपको बताते हैं कि कैसे आप इस प्रॉपर्टी की नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं और इसको खरीद सकते हैं।

इस वजह से नीलाम की जा रही हैं ये प्रॉपर्टी

बैंक की संबंधित शाखाओं ने इस बारे में अखबारों में विज्ञापन दिए हैं और पीएनबी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से भी जानकारी दी है। जिन प्रॉपर्टी की ई-नीलामी होने जा रही है, वे उन लोगों की गिरवीं संपत्तियां हैं, जो बैंक का कर्ज चुकाने में नाकाम रहे हैं और अब पीएनबी उनसे बकाया वसूलने के लिए इन प्रॉपर्टीज की नीलामी करने जा रहा है।

यहां होगा रजिस्ट्रेशन

बैंक के मुताबिक, नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति **e-Bkray (e-B-क्रय)** पोर्टल **https://ibapi.in** पर जाकर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। नियम व कानून, बिड साइज, प्रॉपर्टीज की वैल्यू और लोकेशन की जानकारी हासिल कर सकते हैं।

बिडर/खरीदार रजिस्ट्रेशन

बिडर को ई-नीलामी प्लेटफॉर्म पर अपने मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी से रजिस्ट्रेशन कराना होगा। बिडर को जरूरी **KYC** डॉक्युमेंट अपलोड करने होंगे। **KYC** डॉक्युमेंट ई-नीलामी सर्विस प्रोवाइडर द्वारा वेरिफाई किए जाएंगे। इसमें 2 कामकाजी दिनों का वक्त लग सकता है।

EMD धनराशि का बिडर ग्लोबल EMD वॉलेट में ट्रान्सफर

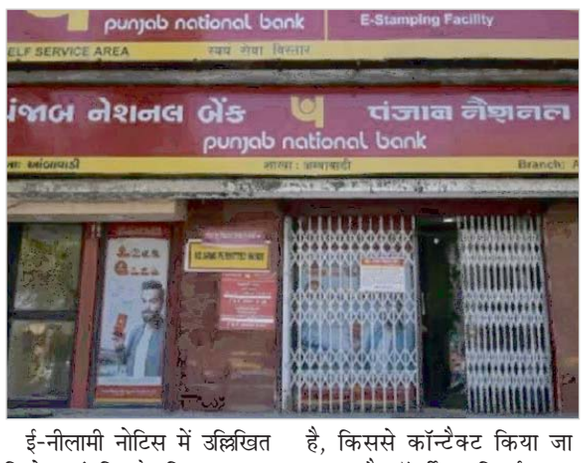

ई-नीलामी नोटिस में उल्लिखित विशेष संपत्ति के लिए **EMD** (अर्नेस्ट मनी जमा) धनराशि का **NEFT**/ट्रान्सफर के जरिए, ई-नीलामी प्लेटफॉर्म पर जनरेट चालान के जरिए ऑनलाइन/ऑफलाइन ट्रान्सफर। इन गाइडलाइंस को पूरा करने के बाद इच्छुक रजिस्टर्ड बिडर्स ई-नीलामी प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन बोली लगा सकते हैं। बैंक किस सर्किल में किस तरह की प्रॉपर्टी की नीलामी किस दिन करने वाला है, किससे कॉन्टैक्ट किया जा सकता है, प्रॉपर्टी का रिजर्व प्राइस क्या है, ये सभी डिटेल **https://etender.pnbnet.in:}yyx/banks/detail/pnb/MTQy** पर मौजूद हैं। प्रॉपर्टीज की ई-नीलामी के लिए पीएनबी के डिटेल्ड नोटिस **https://www.pnbindia.in/EAuction.asp&** पर उपलब्ध हैं, जिनमें अन्य डिटेल्स के साथ नीलामी का समय भी मौजूद है।

आधार को लेकर सरकार ने जारी किया नया नोटिफिकेशन, ऐसे मिलेगी मदद

नई दिल्ली :

आधार कार्ड एक महत्वपूर्ण डॉक्यूमेंट बन चूका है, इस वजह से आधार कार्ड को लेकर कई फ्रॉड भी बढ़ गए हैं। क्योंकि यह एक ऐसा डॉक्यूमेंट है जो आपके बैंक खाते, पैन कार्ड जैसी कई जरूरी चीजों से जुड़ा हुआ है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने आधार को लेकर कुछ नए नियम बनाए हैं, जिन्हें लेकर एक नोटिफिकेशन भी जारी किया गया है। नए नियमों के अनुसार अब आधार के बायोमीट्रिक डेटा का इस्तेमाल नागरिकों को कुछ ऑनलाइन सेवाएं देने के लिए किया जा सकेगा, जैसे लर्निंग लाइसेंस बनवाना, ड्राइविंग लाइसेंस रीन्यू करवाना, गाड़ी का रजिस्ट्रेशन करवाना और इन दस्तावेजों में पता बदलना।

किस लिए की गई ये नई व्यवस्था?

सड़क यातायात मंत्रालय ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को एक पत्र लिखकर आग्रह किया था कि ड्राइविंग लाइसेंस और गाड़ी के रजिस्ट्रेशन से जुड़ी ऑनलाइन सेवाओं को आधार के दायरे में लाया जाए। ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री ने ये प्रस्ताव इसलिए दिया ताकि फर्जी और डुप्लिकेट ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य दस्तावेजों के फर्जीवाड़ों को रोका जा सके। इससे लोगों को बिना ऑफिस विजिट किए ही सुविधाएं मिल सकेंगी।

ऑनलाइन सेवाओं के लिए आधार ऑथेंटिकेशन बेहतर

एक सूत्र के मुताबिक अगर कोई ऑनलाइन सेवाएं लेना चाहता है तो आधार ऑथेंटिकेशन बेहतर रहेगा। आयकर रिटर्न फाइल करने के लिए ऑनलाइन वेरिफिकेशन या ऑथेंटिकेशन आधार आईडी से करना सबसे लोकप्रिय रहा है। 2018 में ट्रांसपोर्ट मंत्रालय ने ड्राइविंग लाइसेंस के आवेदन के लिए आधार को आईडी प्रूफ के तौर पर अनिवार्य कर दिया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इसे ड्रॉप कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सरकारी लाभकारी योजनाओं के अलावा बाकी किसी भी सेवा में आधार को जरूरी नहीं किया जा सकता है।

आधार अनिवार्य हुआ तो नहीं बनाए जा सकेंगे डुप्लिकेट डीएल

पिछले ही साल जुलाई में सरकार ने आधार एक्ट में संशोधन किया था और आधार को आइडेंटिटी प्रूफ के तौर पर इस्तेमाल करने को स्वैच्छिक बनाया था।

वहीं पिछले ही महीने सूचना एवं प्रसारण नए नियम लाया, जिनके तहत केंद्र और राज्य सरकार से प्रस्ताव तैयार करने को कहे गए कि वह किन कामों के लिए आधार वेरिफिकेशन चाहते हैं। सितंबर 2019 में सूचना एवं प्रसारण मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा था कि अगर आधार को अनिवार्य कर दिया जाए तो डुप्लिकेट ड्राइविंग लाइसेंस नहीं बनाए जा सकेंगे।

सरकार ने मोबाइल पेमेंटट्स ऐप को लेकर किया आगाह, कहा- अनजान लिंक से न करें इंस्टॉल

नई दिल्ली।

आप अगर ऑनलाइन बैंकिंग करते है तो यह खबर आपके लिए है। सरकार ने मोबाइल पेमेंटट्स ऐप या ई-वॉलेट ऐप को इंस्टॉल करने को लेकर लोगों को आगाह किया है। गृह मंत्रालय की साइबर सेफ्टी और साइबरसिक्यॉरिटी अवेयरनेस डिविजन यूजर्स को इस बारे में यूजर्स को चेतावनी दे रही है। सरकार का कहना है कि ईमेल, एसएमएस या सोशल मीडिया के जरिए मिलने वाले किसी भी लिंक से कोई पेमेंट ऐप इंस्टॉल ना करें। मोबाइल यूजर्स हमेशा ऑफिशल गूगल प्ले या **iOS** ऐप स्टोर से ही ऐप्स को डाउनलोड करें। अगर आप अनजान लिंक से पेमेंट्स ऐप्स डाउनलोड करते हैं तो इससे फिशिंग अटैक का खतरा होने की संभावना होती है। ये फ्रॉड ऐसा फेक ऐप बना सकते हैं जो दिखने में बिल्कुल पॉप्युलर ऐप जैसे पेटीएम, फोनपे जैसा दिखे। ये फ्रॉड इन फेक ऐपों के जरिए आपकी बैंकिंग इन्फर्मेशन और वॉलिट पासवर्ड चुरा सकते हैं। सरकार के साइबरदोस्त ट्वीटर हैंडल के जरिए कहा कि, अपने स्मार्टफोन पर हमेशा ऐप स्टोर **(Google/iOS Store)** से वेरिफाई करके ही ऑथेंटिक ई-वॉलिट ऐप्स इंस्टॉल करें। ईमेल, एसएमएस या सोशल मीडिया पर शेयर किए गए किसी लिंक के जरिए ई-वॉलिट ऐप्स को इंस्टॉल ना करें। ट्वीट के जरिए लोगों को आगाह करते हुए कहा कि सस्पीशस ईमेल्स में आने वाले किसी लिंक पर क्लिक ना करें। चाहें वे देखने में ऑथेंटिक लगें, ऐसा करने से आप मैलिशस वेबसाइट्स पर रीडायरेक्ट हो सकते हैं। फिशिंग स्कैम में लगातार बढ़ोतरी हो रही है और फ्रॉड इंटरनेट यूजर्स को नए-नए तरीके से धोखाधड़ी का शिकार बना रहे हैं। ऑनलाइन साइबर क्रिमिनल्स के लिए फिशिंग, धोखाधड़ी का सबसे पॉप्युलर टूल है। इसके जरिए पहचान उजागर नहीं होती और यह आसान है व खर्चा भी कम होता है। इसके अलावा टेक्निकली भी यह कोई स्कैम नहीं है। इसके जरिए फ्रॉड यूजर बिहेवियर ट्रैक करते हैं और उनसे चालाकी से निजा जानकारी निकलवा लेते हैं। हमारा सुझाव है कि कोई भी ऐसा ईमेल, वॉट्सऐप, एसएमएस के जरिए मिलने वाले लिंक को देखकर आपको सतर्क हो जाना चाहिए।

नौ महीने से जारी गिरावट के बाद अगस्त में यात्री वाहन बिक्री 14% बढ़ी: सियाम

नई दिल्ली:

घरेलू वाहन बाजार में नौ महीने से जारी गिरावट का दौर अगस्त में थम गया। इस दौरान यात्री वाहनों की बिक्री 14.16 प्रतिशत बढ़कर 2,15,916 इकाई रही। जबकि पिछले साल इसी माह में यह आंकड़ा 1,89,129 वाहन था। घरेलू वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चर्स (सियाम) ने शुक्रवार को इस संबंध में आंकड़े जारी किए। सियाम ने कहा कि पिछले साल अक्टूबर में यात्री वाहनों की बिक्री में उससे पिछले 11 महीनों के गिरावट के रुख के बाद मामूली वृद्धि दर्ज की गयी थी। जबकि इस साल अगस्त में यात्री वाहनों की बिक्री में यह गिरावट अब नौ महीने बाद थमी है। इसी तरह यूटिलिटी वाहन श्रेणी की बिक्री भी अगस्त में 15.54 प्रतिशत बढ़कर 81,842 इकाई रही। जबकि पिछले साल इसी माह में यह 70,837 वाहन थी। समीक्षावधि में वैन की बिक्री 3.82 प्रतिशत बढ़कर 9,359 वाहन रही। अगस्त 2019 में यह आंकड़ा 9,015 वाहन था। सियाम के आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान दोपहिया वाहनों की बिक्री तीन प्रतिशत बढ़कर 15,59,665 वाहन रही। पिछले साल अगस्त में यह 15,14,196 वाहन थी। इसमें मोटरसाइकिल की बिक्री 10.13 प्रतिशत बढ़कर 10,32,476 इकाई और स्कूटर की बिक्री 12.3 प्रतिशत घटकर 4,56,848 रही। पिछले साल यह आंकड़ा क्रमशः 9,37,486 और 5,20,898 इकाई था। तिपहिया वाहनों की बिक्री में भी गिरावट का रुख रहा। अगस्त में यह 75.29 प्रतिशत गिरकर 14,534 इकाई रही जो पिछले साल इसी माह में 58,818 इकाई थी। सियाम के नवनियुक्त अध्यक्ष केनिची आयुकावा ने कहा, ''हमने वाहन बाजार में फिर से वृद्धि को महसूस करना शुरू किया है। इससे वाहन उद्योग का विशेषकर दोपहिया और यात्री वाहन श्रेणियों में आत्मविश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि हालांकि अगस्त में मौजूदा बिक्री में वृद्धि इसलिए दिख रही है, क्योंकि पिछले साल इसी माह में वाहन बिक्री काफी नीचे थे। वर्ष 2019 में अगस्त के दौरान यात्री वाहन श्रेणी में 32 प्रतिशत और दोपहिया श्रेणी में 22 प्रतिशत की गिरावट रही थी। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा कि वाहन उद्योग आगामी त्यौहारी मौसम में खरीदारी बढ़ने से बाजार एवं उद्योग में फिर से सुधार होने को लेकर आशान्वित है। सियाम के आंकड़ों के मुताबिक, देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया की थोक बिक्री अगस्त में 21.32 प्रतिशत बढ़कर 1,13,033 वाहन रही। वहीं उसकी प्रतिद्वंदी हुंदै मोटर इंडिया की बिक्री भी 19.9 प्रतिशत बढ़कर 45,809 वाहन रही।

आलू-प्याज के बाद अब हरे धनिए की कीमतों में उछाल, 400 रुपए के पार पहुंचे दाम

बिजनेस डेस्क: कोरोना वायरस की वजह से आम लोगों पर महंगाई की मार पड़ रही है। कोरोना के कारण रसोई का बजट बिगड़ गया है, सब्जियों की कीमतें आसमान छू रही हैं। आलू-प्याज के बाद अब हरे धनिए की कीमतों में जोरदार तेजी आई है। एक किलोग्राम हरा धनिया 400 रुपए के पार पहुंच गया है। दिल्ली-एनसीआर सहित देश के कई हिस्सों में जो सब्जियां 20 से 30 रुपए प्रति किलोग्राम बिकते थे, उन्हीं सब्जियों के दाम अब 100 रुपए के पार चले गए हैं। बीते एक महीने के दौरान प्याज की कीमतें दोगुनी हो चुकी है। हरे धनिए की कीमतों में क्यों आई तेजी- राजधानी दिल्ली में धनिया पत्ता लगभग बाजार से गायब हो गए हैं, अगर कहीं मिल भी रहा है तो बेहद ज्यादा कीमत पर, इसकी वजह पिछले कुछ दिनों से लगातार जमाखोरी और कालाबाजारी बताई जा रही है। धनिया पत्ता का फिलहाल बाजार मूल्य 400 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है। इसके साथ ही आलू कीमतें 50 रुपए प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गई है। दिल्ली की आजादपुर सब्जी मंडी और ओखला सब्जी मंडी में भी सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। इन सब्जी मंडियों में टमाटर का मूल्य हो या मिर्च के मूल्य उसे खरीदने में आम लोगों के आंखों में पानी आना शुरू हो चुका है। कारोबारियों ने बताया कि मांग बढ़ने और आवक घटने की वजह से आलू, लहसून और प्याज के दाम बढ़ रहे है। उन्होंने बताया कि बारिश के चलते सब्जियों की फसल नष्ट होने से समस्या बढ़ी है। फिलहाल जयपुर व आसपास के क्षेत्रों से टमाटर, मिर्च, भिण्डी आदि की आवक हो रही है। अगले कुछ दिनों में सब्जियों के दामों में और उछाल आने की संभावना है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विएस्ला ने लीड्स युनाइटेड के साथ करार को दिया एक साल का विस्तार

लंदन । प्रमोट होकर इंग्लिश प्रीमियर लीग में आई लीड्स युनाइटेड ने शुक्रवार को अपने मैनेजर मार्सेलो बिएस्ला के साथ एक साल का करार किया है। क्लब 16 साल में पहली बार लीग में अपना पहला मैच खेलेगा। लीड्स ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर लिखा है, लीड्स युनाइटेड इस बात की पुष्टि करता है कि क्लब ने मार्सेलो के साथ एक साल का नया करार किया है और वह 2020-21 सीजन तक क्लब के मुख्य कोच बने रहेंगे। बयान में कहा गया है, उनके कार्यकाल के दौरान टीम ने 100 मैच खेले हैं और 56 जीत के अलावा 17 ड्रॉ रहे हैं जबकि 27 में उसे हार मिली है। इस बार इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) का खिताब लिवरपूल ने अपने नाम किया था।

US OPEN 2020

अजारेंका-ओसाका 13 सितंबर को फाइनल में आमने-सामने होंगी, सेरेना-जेनिफर टूर्नामेंट से बाहर

डिजिटल डेस्क।

बेलोरूस की स्टार खिलाड़ी पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 विक्टोरिया अजारेंका और जापान की नाओमी ओसाका साल के चौथे ग्रैंड स्लैम-यूएस ओपन के फाइनल में शनिवार को आमने-सामने होंगी। विक्टोरिया अजारेंका ने विमेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल मैच में 6 बार की चैंपियन अमेरिका की सेरेना विलियम्स को 6-1, 3-6, 3-6 से मात देकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की है।

अजारेंका ने यूएस ओपन में पहली बार सेरेना को हराया

अजारेंका की यह लगातार 11वीं जीत है और उन्होंने यूएस ओपन में पहली बार सेरेना को हराया है। अजारेंका 2013 के बाद किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचीं हैं। दोनों के बीच अब तक 23 मुकाबले हुए। इसमें सेरेना ने 18 और अजारेंका ने 5 मैच जीते। सेरेना ने इससे पहले अजारेंका को 2012 और 2013 के यूएस ओपन के फाइनल में हराया था।

ओसाका पिछले तीन साल में दूसरी बार यूएस ओपन के फाइनल में

वहीं विमेंस सिंगल्स के अन्य सेमीफाइनल में पूर्व यूएस ओपन चैंपियन नाओमी ओसाका ने 28वीं सीड अमेरिका की जेनिफर ब्रैडी को 7-6(1), 3-6, 6-3 से मात देकर टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। 22 साल की ओसाका पिछले तीन साल में दूसरी बार यूएस ओपन के फाइनल में पहुंची हैं।

ओसाका ने 2018 के यूएस ओपन का खिताब जीता था

ओसाका ने इससे पहले 2018 के यूएस ओपन का खिताब जीता था। उस समय वह सिर्फ 20 साल की थीं। इसके अलावा उन्होंने पिछले साल ही ऑस्ट्रेलियन ओपन ग्रैंड स्लैम खिताब भी जीता था। ओसाका को इस मैच को जीतने के लिए ब्रेडी के खिलाफ काफी पसीना बहाना पड़ा। यह उनकी इस साल लगातार 10वीं जीत है। वहीं ब्रैडी का यह पहला ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल था। इससे पहले वे 2017 में यूएस और ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे राउंड तक पहुंची थी।

अजारेंका और ओसाका लगातार दूसरे टूर्नामेंट के फाइनल में आमने-सामने

बता दें कि, अजारेंका और ओसाका लगातार दूसरे टूर्नामेंट के फाइनल में आमने-सामने होंगी। यूएस ओपन से ठीक पहले वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टूर्नामेंट का फाइनल भी इन दोनों के बीच हुआ था। तब हैमिस्ट्रिंग इंजरी के कारण ओसाका मैच से हट गईं थीं और अजारेंका ने खिताब जीता था। यह अजारेंका के करियर का 21वां टाइटल था। उन्होंने 2016 में मियामी ओपन के बाद पहला खिताब जीता था।

रैना की जगह रायडू को नंबर-3 पर रखूंगा : स्टाइरिस

नई दिल्ली ।

न्यूजीलैंड के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी स्कॉट स्टाइरिस ने कहा है कि वह चेन्नई सुपर किंग्स में नंबर-3 क्रम पर सुरश रैना के स्थान पर अंबाती रायडू मौका देना पसंद करेंगे। आईपीएल का आगामी सीजन 19 सितंबर से शुरू हो रहा है। कोविड-19 के कारण इस बार आईपीएल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। स्टाइरिस ने स्टार स्पोर्टस से बात करते हुए कहा कि चेन्नई की टीम में बेशक गहराई है लेकिन रैना की कमी पूरी करना आसान नहीं होगा। स्टाइरिस ने कहा, निजी तौर पर, मैं रायडू को उस स्थान पर रखूंगा। उन्होंने कहा, काफी मुश्किल है, नहीं है क्या, उस स्तर का खिलाड़ी, एक खिलाड़ी जो काफी लंबे समय से अच्छा रहा है। वह रन कर सकते हैं और फील्डिंग में भी शानदार हैं और गेंदबाजी भी कर सकते हैं। रैना का विकल्प ढूंढ़ना काफी मुश्किल काम है। न्यूजीलैंड के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी ने कहा, मैं जानता हूं कि चेन्नई की टीम में गहराई है। उनके पास शीर्ष क्रम में कई सारे विकल्प हैं। लेकिन मैं इस बात को भी मानता हूं कि अब दबाव नंबर-3 के बल्लेबाज को ढूंढ़ने पर है। मैं चेन्नई में यह सबसे मुश्किल चुनौती देखता हूं। रैना के अलावा अनुभवी स्पिनर हरभजन सिंह भी इस आईपीएल में नहीं खेल रहे हैं।

स्टाइरिस ने कहा कि यह कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और कोच स्टीफन फ्लेमिंग पर निर्भर है कि वह टीम को कैसे एक रखते हैं। उन्होंने कहा, कुछ विकल्प उनके पास हैं। दो विदेशी खिलाड़ी शीर्ष क्रम में और युवा खिलाड़ी ऋतुराज गायकवाड़ को लेकर आएं और वो एक पिंच हिटर के साथ भी जा सकते हैं।

एडिलेड स्ट्राइकर्स ने रेनशॉ के साथ 3 साल का करार किया

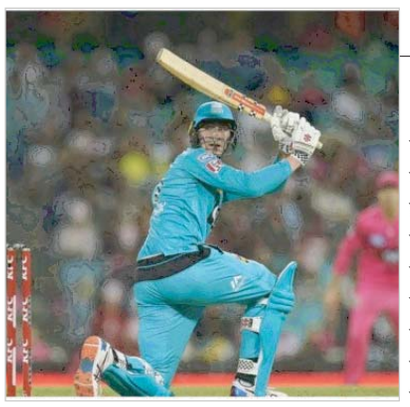

एडिलेड।

बिग बैश लीग (बीबीएल) फ्रेंचाइजी एडिलेड स्ट्राइकर्स ने हरफनमौला क्रिकेटर मैट रेनशॉ के साथ तीन साल का करार किया है। 24 साल के रेनशॉ इससे पहले ब्रिस्बेन हीट का हिस्सा थे। उन्होंने पिछले सीजन में हीट के लिए तीन अर्धशतकों की मदद से 348 रन बनाए थे। वह पिछले सीजन में दूसरे सर्वोच्च स्कोरर थे। रेनशॉ ने कहा, एडिलेड स्ट्राइकर्स हमेशा से एक प्रभावशाली फ्रेंचाइजी रही है और अगले तीन साल तक मैं उनके साथ जुड़ने वाला हूं। उन्होंने कहा, अपने घरेलू मैदान एडिलेड ओवल पर उतरने का मैं इंतजार कर रहा हूं, जिसे मैं अच्छी तरह से जानता हूं और यह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ में से एक है। उम्मीद है कि हमारे घरेलू दर्शकों के सामने खेलना संभव होगा क्योंकि वे वास्तव में अविश्वसनीय माहौल बनाते हैं। बीबीएल 10 के लिए एडिलेड **स्ट्राइकर्स की टीम :** ट्रेविस हेड (कप्तान), माइकल नेसर, हैरी नील्सन, मैथ्यू रेनशॉ, मैट शॉर्ट, पीटर सिडल, कैमरन वैलेंटे, जेक वेदराल्ड, जॉन वेल्स, डेनियल ब्रॉल।

टीम में टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने की क्षमता : लिलिमा

बेंगलुरू ।

भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर लिलिमा मिंज पिछले कुछ वर्षों से राष्ट्रीय टीम की मुख्य सदस्य रही हैं। लिलिमा का 150 से भी ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने का अनुभव अगले साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक खेलों में भारतीय टीम के लिए बेहद फायदेमंद होगी। उनका का मानना है कि भारतीय टीम में अगले साले होले वाले टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने की क्षमता है। लिलिमा ने कहा, हमारे पास निश्चित रूप से टोक्यो में पदक जीतने की क्षमता है। जब मैं 2013 में पहली बार टीम से जुड़ी थी तब से टीम ने काफी प्रगति की है। मुझे लगता है कि पहले हमारे अंदर विश्वास की कमी थी, लेकिन अब हम दुनिया में किसी भी शीर्ष टीम के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं। 26 वर्षीय लिलिमा ने करियर की शुरूआत फॉरवर्ड के रूप में की थी और लेकिन बाद में वह मिडफील्डर बन गई। उन्होंने कहा, जब मैंने पहली बार हॉकी खेलना शुरू किया था, तो हम एक ऐसी प्रणाली में खेले थे, जिसमें हमारी टीम में पांच फॉरवर्ड थे और मैं एक विंगर के रूप में खेलती थी। बाद में हमारे कोच ने मुझे मिडफील्ड क्षेत्र में स्थानांतरित करने का फैसला किया क्योंकि मेरे पास लगातार ऊपर-नीचे होने की सहनशक्ति और धैर्य था। लिलिमा ने कहा, मिडफील्डर बनना बहुत दिलचस्प रहा क्योंकि हम मैचों के दौरान फॉरवर्ड और डिफेंडरों का समर्थन करते हैं। अगर हम आक्रमण कर रहे हैं, तो हम गेंद को जितना संभव हो उतना आगे बढ़ाने की कोशिश करते हैं। अगर हमारे विरोधियों के पास गति है तो हम डिफेंडरों का साथ देते हैं।

संक्षिप्त समाचार

फ्रेंच लीग 1 : पीएसजी को पहले मैच में लेन्स से मिली हार

पेरिस। मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को फ्रेंच लीग 1 के अपने पहले मैच में शीर्ष श्रेणी में जगह बनाने वाली लेन्स की टीम के हाथों 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पीएसजी की टीम अपने स्टार खिलाड़ियों कीलियन एम्बाप्पे, नेमार, एंजेल डि मारिया, मौरो इकार्डी और केलर नवास के बिना ही इस मैच मे उतरी थी। ये खिलाड़ी कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए जा चुके हैं। पीएसजी के लिए 18 साल के कायस रुइज आटिल और एर्नाउड केलिमेएंडो फर्स्ट टीम के लिए अपना पदार्पण कर रहे थे जबकि 20 साल के मार्सिन बुल्का केवल अपना दूसरा मैच खेल रहे थे। कैमरून के अंतर्राष्ट्रीय स्ट्राइकर इग्नैटियस गनागो ने 57वें मिनट में बोल करके लेन्स की टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। लेन्स के गनागो ने पीएसजी के तीसरी पसंद के गोलकीपर मार्सिन बुल्का की गलती का फायदा उठाकर गोल कर दिया और यह गोल अंत में निर्णायक साबित हुआ और पीएसजी को लेन्स से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा।

दक्षिण कोरिया ने थॉमस एंड उबर कप से नाम वापस लिया

सियोल । दक्षिण कोरिया ने शुक्रवार को थॉमस एंड उबर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टस की मानें तो कोरिया बैडमिंटन संघ ने अपनी पुरुष और महिला टीम को टूर्नामेंट में न भेजने का फैसला किया है। यह टूर्नामेंट्स तीन से 11 अक्टूबर के बीच डेनमार्क के आरहुस में खेले जाने हैं। ताइवान, आस्ट्रेलिया और थाईलैंड पहले ही अपना नाम वापस ले चुके हैं। भारत ने हालांकि गुरुवार को ही थॉमस एंड उबर कप के लिए अपनी टीम का ऐलान किया है। इस टूर्नामेंट के लिए लगाए जाने वाले शिविर के लिए हालांकि भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने मना कर दिया है क्योंकि शिविर में क्वारंटीन नियमों को पूरा करने के बाद तैयारी के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल रहा था। जिन भारतीय खिलाड़ियों को टीम में चुना गया है उन्हें 17 सितंबर तक अपना फिटनेस सर्टिफिकेट जमा कराना होगा। टूर्नामेंट के लिए टीम का ऐलान करने की आखिरी तारीख 17 सितंबर है।

कतर के खिलाफ ड्रॉ भारतीय फुटबाल टीम का उदय था : थापा

नई दिल्ली ।

भारतीय फुटबाल टीम की मिडफील्ड के अहम खिलाड़ी अनिरुद्ध थापा ने पिछले साल एशियाई चैम्पियन कतर के साथ फीफा विश्व कप 2022 क्वालीफायर में खेले गए गोलरहित ड्रॉ मैच को भारतीय फुटबाल के उदय बताया है। थापा ने एआईएफएफ टीवी से बात करते हुए कहा, 15 साल बाद इस मैच को भारतीय फुटबाल के उदय के तौर पर देखा जाएगा। काफी कुछ दाव पर लगा था और किसी ने हमसे ज्यादा कुछ उम्मीद नहीं की थी। हमारे प्रदर्शन पर ज्यादा किसी का ध्यान नहीं था लेकिन एशियाई विजेता को उनके घर में रोकना भारतीय फुटबाल के लिए बड़ी बात थी। उन्होंने कहा, जैसे ही अंतिम सिटी बजी, परिणाम ने पूरे स्टेडियम में एक हैरानी भरा माहौल पैदा कर दिया था। कतर के खिलाड़ी काफी अच्छे थे लेकिन ईमानदारी से कहूं तो उन्होंने हमसे इसकी उम्मीद नहीं की थी। वह हैरान थे। उन्होंने कहा, उन्होंने मैदान पर अपना सबकुछ झोंक दिया था। उन्होंने हमारे डिफेंस को तोड़ने की हर कोशिश कर ली थी। कोई भी टीम वो नहीं कर पाई थी, जो हमने उनके घरेलू मैदान पर किया। हमने किसी तरह की गलती नहीं की और उन्हें मौके नहीं दिए। वो हम सभी के लिए यादगार रात थी। उन्होंने कहा, जावी हर्नांडेज मैच देखने आए थे लेकिन वो भी हैरान रह गए थे। उनकी प्रतिक्रिया भी कतर के खिलाड़ियों जैसी थी। हमने उस मैच में अपना सब कुछ झोंक दिया था।

खिताब दिलाने वाली मानसिकता को बनाए रखना होगा : एलेक्जेंडर

लंदन ।

लिवरपूल के डिफेंडर ट्रेंट एलेक्जेंडर आर्नल्ड को लगता है कि इंग्लिश प्रीमियर लीग की विजेता टीम को अगर अपना खिताब बचाना है तो उन्हें अपने अंदर सुधार करना होगा। कोच जार्गन क्लोप की टीम ने 30 साल बाद ईपीएल का खिताब अपने नाम किया था और नए सीजन के पहले मैच में उसका सामना लीड्स युनाइटेड से होगा। एलेक्जेंडर ने स्काई स्पोर्टस से कहा, यह अंकतालिका में ऊपर आना या ज्यादा गोल करने पर ही निर्भर नहीं करता है। यह एक टीम के तौर पर सुधार करने और लगातार जीतने की बात है। उन्होंने कहा, हमें वो मानसिकता बनाए रखनी होगी जो हमें यहां तक लेकर आई, यह काफी अहम है। हम जानते हैं कि हमारे सामने विजेता के तौर पर अब बड़े लक्ष्य हैं। और जब टीम हमारे सामने खेलेंगी तो वो ज्यादा प्रेरित हो जाएंगी। इसलिए हमें उनकी मानसिकता को समझने और अपने आप को एक कदम आगे ले जाने की जरूरत है। एक बार जीतने से मुश्किल लगातार जीतना है।

फ्रेंच लीग 1 : पीएसजी को पहले मैच में लेन्स से मिली हार

पेरिस। मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को फ्रेंच लीग 1 के अपने पहले मैच में शीर्ष श्रेणी में जगह बनाने वाली लेन्स की टीम के हाथों 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पीएसजी की टीम अपने स्टार खिलाड़ियों कीलियन एम्बाप्पे, नेमार, एंजेल डि मारिया, मौरो इकार्डी और केलर नवास के बिना ही इस मैच मे उतरी थी। ये खिलाड़ी कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए जा चुके हैं। पीएसजी के लिए 18 साल के कायस रुइज आटिल और एर्नाउड केलिमेएंडो फर्स्ट टीम के लिए अपना पदार्पण कर रहे थे जबकि 20 साल के मार्सिन बुल्का केवल अपना दूसरा मैच खेल रहे थे। कैमरून के अंतर्राष्ट्रीय स्ट्राइकर इग्नैटियस गनागो ने 57वें मिनट में बोल करके लेन्स की टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। लेन्स के गनागो ने पीएसजी के तीसरी पसंद के गोलकीपर मार्सिन बुल्का की गलती का फायदा उठाकर गोल कर दिया और यह गोल अंत में निर्णायक साबित हुआ और पीएसजी को लेन्स से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा।

कोविड ने बताया क्रिकेट के अलावा भी जीवन है : जेमिमा रोड्रिगेज

नई दिल्ली।

कोविड-19 द्वारा लगाए गए ब्रेक से भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिगेज को काफी मदद मिली और वह इसी साल की शुरुआत में टी-20 विश्व कप के फाइनल में आस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार को भुलाने में सफल रहीं। आठ मार्च को आस्ट्रेलिया ने फाइनल में भारत को हरा टी-20 विश्व कप का खिताब जीता था। यह मैच महिला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट का आखिरी मैच साबित हुआ क्योंकि कोविड-19 ने लम्बे समय तक क्रिकेट को रोक दिया था। रोड्रिगेज ने आईएएनएस से कहा, विश्व कप के बाद से बाहर निकलना आसान नहीं था। हम डेढ़ महीने से ज्यादा में आस्ट्रेलिया में थे। विश्व कप हारना आसान नहीं है, मानसिक तौर पर भी और भावनात्मक तौर पर भी। उन्होंने कहा, आपको उबरने और सही स्थिति में आने के लिए थोड़ा समय चाहिए होता है, इसलिए यह लॉकडाउन इस लिहाज से मेरे लिए आशीर्वाद साबित हुआ। इससे मैं भावनात्मक तौर पर आगे बढ़ सकी। यह ब्रेक हालांकि ज्याद लंबा हो गया। हम मैदान पर आकर खेलने को लेकर ज्यादा इंतजार नहीं कर सकते। फाइनल की हार पर रोड्रिगेज ने कहा कि टीम अपनी रणनीति को सही तरह से लागू नहीं कर सकी इसलिए उसे हार मिली। उन्होंने कहा, मेरे हिसाब से रणनीति को सही तरीके से लागू न कर पाना हमारी हार की वजह रहा। आस्ट्रेलिया के पास प्लान था और वो उस पर टिकी रही और अच्छे से लागू किया। हमारे पास भी प्लान था लेकिन हम उसे सही से लागू नहीं कर सके। रोड्रिगेज इस कोरोनाकाल की सीख के बारे में बताते हुए कहा, मुझे एहसास हुआ है कि मैं कितनी भाग्यशाली हूं। हम सफर कर रहे थे क्रिकेट खेल रहे थे, लेकिन अचानक से सब कुछ रुक गया और मुझे अपने परिवार तथा अपने साथ कुछ वक्त बिताने का समय मिला। उन्होंने कहा, मुझे पता चला कि जिंदगी क्रिकेट से ज्यादा है। क्रिकेट महान खेल है और मुझे खेलना पसंद है। एक बार जब मैं मैदान पर लौटूंगी तो मैं निश्चित तौर पर अपना 100 फीसदी दूंगी। लेकिन क्रिकेट सिर्फ जिंदगी का हिस्सा है। मेरी जिंदगी में कई ज्यादा अहम चीजें हैं जैसे कि मेरा परिवार, दोस्त, यह भी मेरे लिए काफी अहम हैं। दाएं हाथ की इस बल्लेबाज ने कहा, लॉकडाउन के साथ मुझे एहसास हुआ कि कई लोग बुनियादी सुविधाओं के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं। लेकिन मैं भाग्यशाली हूं कि मेरे पास परिवार, घर है जो मेरी देखभाल कर रहा है। मेरे पास खाने को भोजन है, पीने को पानी है, छोटी-छोटी चीजें जिन्हें हम कुछ समझते ही नहीं हैं। इसी महामारी के कारण अगले साल न्यूजीलैंड में खेला जाने वाला विश्व कप भी स्थगित कर दिया गया है जो अब 2022 में होगा।

लीड्स युनाइटेड के खिलाफ मैच से खिताब बचाओ अभियान की शुरुआत करेगी लिवरपूल

नई दिल्ली । मौजूदा चैंपियन लिवरपूल शनिवार से शुरू होने जा रही इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) 2020-21 सीजन के अपने पहले मैच में शीर्ष श्रेणी में जगह बनाने वाली लीड्स युनाइटेड के खिलाफ मुकाबले से अपने खिताब बचाओ अभियान की शुरुआत करेगी। यह देखना काफी दिलचस्प होगा कि क्या कोच जुर्गेन क्लोप के मार्गदर्शन वाली लिवरपूल की टीम एनफिल्ड स्टेडियम में अपनी मौजूदा लय को जारी रख पाती है या नहीं। वहीं, दूसरी तरीफ लीड्स युनाइटेड की टीम 16 साल के लंबे अंतराल के बाद प्रीमियर लीग में लौटी है। मार्सेलो बिएल्सा की टीम ने 2019-20 सीजन में धमाकेदार प्रदर्शन किया था और वह इस सीजन में भी इसे जारी रखना चाहेगी। लगातार दो बार खिताब जीतने वाली मैनचेस्टर सिटी की टीम 2019-20 सीजन में दूसरे नंबर पर रही थी। मैनचेस्टर सिटी और लिवरपूल के बीच 18 अंकों का फासला था। पेप गार्डियोला की टीम पिछले सीजन की कमजोरियों में सुधार करते हुए इस सीजन में एक नई शुरूआत करना चाहेगी। मैनचेस्टर युनाइटेड की टीम ने स्पोर्टिंग लिस्बन के खिलाड़ी ब्रूनो फर्नांडीज के साथ करार किया है। इसके अलावा उनकी टीम में अजाक्स के मिडफील्डर डॉनी वान डे बीक भी हैं, जो मिडफील्ड में टीम को मजबूती देंगे। साथ ही टॉटेनहम हॉटस्पर, आर्सेनल, लिसेस्टर सिटी, एवर्टन और वोल्स की टीमें भी लीग के इस सीजन में अपनी चुनौती पेश करना चाहेगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

मराठा कोटे पर सुप्रिम कोर्ट में अर्जी देने के विकल्प पर विचार कर रही महाराष्ट्र सरकार: अशोक चव्हाण

मुंबई। महाराष्ट्र में मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार मराठा कोटे के क्रियान्वयन पर उच्चतम न्यायालय के रोक लगाने संबंधी अंतरिम आदेश को निरस्त कराने के लिये शीर्ष न्यायालय में एक अर्जी देने के विकल्प पर विचार कर रही है। शीर्ष न्यायालय ने मराठा कोटा कानून के क्रियान्वयन पर बुधवार को रोक लगा दी और इस कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं को एक वृहद संविधान पीठ के पास भेज दिया। मराठा कोटे पर मंत्रिमंडल की उप समिति की अध्यक्षता कर रहे चव्हाण ने कहा कि अर्जी देने पर कोई अंतिम फैसला सभी हितधारकों के साथ परामर्श करने के बाद लिया जाएगा। उन्होंने समुदाय से संयम रखने की अपील करते हुए कहा कि यह एक कानूनी लड़ाई है, जिसे कानूनी तरीके से लड़े जाने की जरूरत है और प्रदर्शन के लिये सड़कों पर उतरने का कोई मतलब नहीं है। महाराष्ट्र में नौकरियों एवं शैक्षणिक संस्थानों में मराठा समुदाय के लोगों को दाखिले में आरक्षण प्रदान करने के लिये सामाजिक एवं शैक्षणिक पिछडे वर्ग (एसईबीसी) अधिनियम,2018 पारित किया गया था।

कोविड-19: अंतिम संस्कार करने में असमर्थ परीजन को 5000 रुपये देगी असम सरकार

गुवाहाटी। असम सरकार ने कोविड-19 से होने वाली प्रत्येक मृत्यु के मामले में परीजन द्वारा शव नहीं ले जाने या अंतिम संस्कार करने में असमर्थ होने पर जिला प्रशासन को 5,000 रुपये तक का अंतिम संस्कार खर्च देने का फैसला किया है। उपायुक्तों ने अंतिम संस्कार में आने वाली कठिनाइयों का जिक्र किया था। इसके बाद आर्थिक सहायता देने का यह फैसला किया गया। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के प्रधान सचिव समीर सिन्हा द्वारा जारी एक आदेश में इसकी जानकारी दी गई। एक अन्य आदेश में, विभाग ने कहा कि असम के बाहर जाने वाला कोई व्यक्ति यदि 96 घंटों में राज्य लौट आता है तो उसे 10 दिन के पृथकवास से नहीं गुजरना होगा। राज्य लौटने वाले को 'रैपिड एंटीजन टेस्ट' कराना होगा और यदि संक्रमण की पुष्टि होती है तो उसे प्रोटोकॉल के अनुसार कोविड देखभाल केंद्र या अपने घर में पृथकवास में रहकर उपचार कराना होगा। यदि रिपोर्ट निगेटिव आती है, तो आरटी-पीसीआर जांच रिपोर्ट आने तक व्यक्ति को पृथक-वास में रहना होगा।

पश्चिम बंगाल में सड़क दुर्घटना में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की मौत, ममता बनर्जी ने जताया शोक

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में शुक्रवार को एक कार एक खड़े ट्रक से टकरा गई जिससे कार में सवार एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और दो अन्य की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि राज्य सशस्त्र पुलिस की 12वीं बटालियन की कमांडिंग अफसर देबश्री चटर्जी की कार ने शुक्रवार तड़के दादपुर में एक खड़े ट्रक के पिछले हिस्से में टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में चटर्जी, उनके अंगरक्षक और कार चालक की मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि तीनों को दुर्घटनाग्रस्त वाहन से बाहर निकालकर चिनसुरा स्थित इमामबाड़ा अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा कि चटर्जी कोलकाता जा रही थीं जब यह हादसा हुआ। चटर्जी की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि 45 वर्षीय अधिकारी अपने समर्पण और मेहनत से उच्च पद तक पहुंची थीं। मुख्यमंत्री ने कहा, "उन्होंने मानव तस्करी को रोकने में प्रशंसनीय कार्य किया था और इसके लिए उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली थी।" बनर्जी ने कहा कि हमने एक प्रभावशाली पुलिस अधिकारी खो दिया।

कश्मीरी पंडितों के शिष्टमंडल ने जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल से की मुलाकात

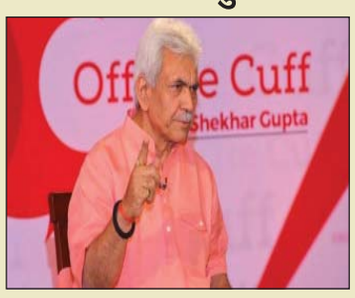

जम्मू। विस्थापित कश्मीरी पंडितों के एक शिष्टमंडल ने उप राज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की और कश्मीर में रहने के लिए एक स्थान की मांग की। इसके अलावा शिष्टमंडल ने कश्मीरी पंडित समुदाय के कल्याण के वास्ते बोर्ड गठित करने और घाटी के मंदिरों की सुरक्षा के लिए न्यास बनाने की मांग की। कश्मीरी पंडितों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन सर्वदलीय प्रवासी समन्वय समिति (एपीएमसीसी) ने यहां यह जानकारी देते हुए बताया कि संगठन के अध्यक्ष विनोद पंडित ने शिष्टमंडल का नेतृत्व किया। पंडित ने उप राज्यपाल को शारदापीठ और हरमुख-गंगबल के चित्र प्रदान किए और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में स्थित शारदा मंदिर को दोबारा खोलने और कश्मीरी पंडितों के कल्याण के लिए बोर्ड गठित करने की मांग को उठाया। उन्होंने घाटी में पंडितों के रहने के लिए एक स्थान देने और कश्मीर के मंदिरों की देखरेख और सुरक्षा के वास्ते न्यास के गठन के मुद्दे को भी उठाया। सिन्हा ने शिष्टमंडल की सभी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। इस बीच अपनी पार्टी के महासचिव और पूर्व मुख्य सचिव विजय बकाया ने शुक्रवार को सिन्हा से मुलाकात की और जनहित से जुड़े कई मुद्दों पर बातचीत की।

जालसाजों ने राम मंदिर न्यास को भी नहीं छोड़ा, छह लाख रुपये फर्जी तरीके से निकाले

अयोध्या। (एजेंसी)

राम मंदिर न्यास के खाते से दो फर्जी चेक की मदद से छह लाख रुपये निकालने और तीसरे चेक के जरिये 10 लाख रुपये स्थानांतरित करने के प्रयास को लेकर उत्तर प्रदेश पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। बैंक द्वारा तीसरे चेक की जांच के दौरान फर्जीवाड़ा पकड़ा गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि न्यास के सचिव और विश्व हिंदू परिषद के नेता चंपत राय की शिकायत पर कोतवाली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। अयोध्या के पुलिस उप महानिरीक्षक दीपक कुमार ने बताया हमने उस बैंक खाते पर रोक लगा दी है जिसमें पैसा स्थानांतरित किया गया। एक पुलिस टीम को लखनऊ और एक को मुंबई भेजा गया है, क्योंकि जिस खाते में पैसा स्थानांतरित किया गया वह महाराष्ट्र का है। उन्होंने बताया कि इस अपराध को अंजाम देने वालों ने फर्जी तरीके से स्थानांतरित की गई राशि में से चार लाख रुपये निकाल लिए हैं, जबकि दो लाख की राशि अभी भी खाते में है।

एफआईआर के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक(एसबीआई) में न्यास के खाते से एक सितंबर को 2.5 लाख रुपये की राशि फर्जी तरीके से स्थानांतरित की गई जबकि आठ सितंबर को दूसरे फर्जी चेक के जरिये 3.5 लाख रुपये स्थानांतरित किए गए। मामला तब पकड़ में आया जब लखनऊ से एसबीआई की वरिष्ठ अधिकारी ने यह पुष्टि करने के लिए राय को फोन किया कि न्यास ने 9.86 लाख रुपये स्थानांतरित करने के लिए चेक जारी किया है। एसबीआई की निकासी विभाग की उप प्रबंधक मोना रस्तोगी ने बताया कि चेक (बड़ी धनराशि वाले) निकासी से पहले हम अपने ग्राहकों को फोन करते हैं। मैंने खुद 9.86 लाख की राशि वाले चेक से निकासी को लेकर ग्राहक को फोन किया और कई बार कॉल करने के बाद ग्राहक (राय) ने फोन उठाया। उन्होंने कहा कि इस माह की शुरुआत में 2.5 लाख और 3.5 लाख की राशि वाले दोनों पहले फर्जी चेक में से प्रत्येक की निकासी से पहले निश्चित तौर पर बैंक अधिकारियों ने न्यास के पंजीकृत नंबर पर फोन किया होगा।

उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर 2.5 लाख और 3.5 लाख रूपये के चेक की निकासी को लेकर बैंक की ओर से कॉल की गई होगी। कॉल रिकॉर्ड और ब्योरे की जांच से यह तय किया जा सकता है कि ग्राहक ने कॉल रिसीव की। रस्तोगी ने कहा कि राय ने यदि उनका फोन नहीं उठाया होता तो तीसरे क्लोन चेक से भी निकासी कर ली जाती क्योंकि यह वास्तविक प्रतीत होता है और हस्ताक्षर को लेकर भी कोई शक नहीं है। पुलिस में दी गई शिकायत में राय ने कहा है कि राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के बैंक खाते में करोड़ों

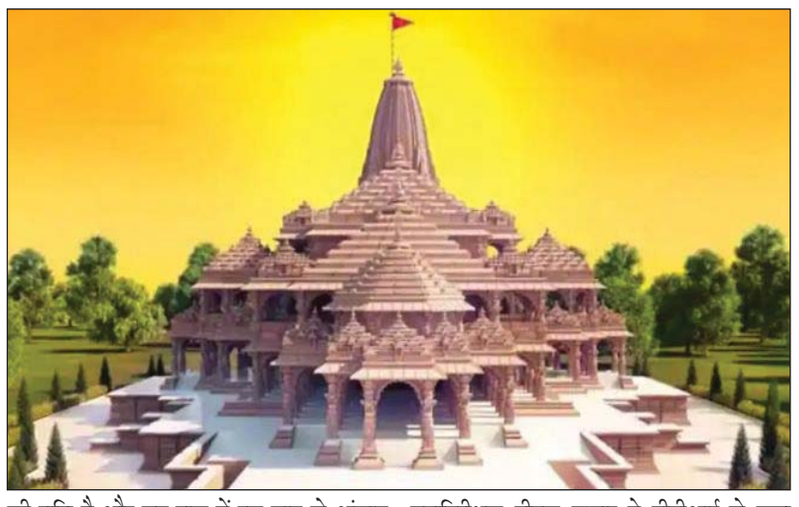

की राशि है और वह शुरू में इस बात से अंजान थे कि खाते से धन को फर्जी तरीके से स्थानांतरित किया गया। अयोध्या के पुलिस उप महानिरीक्षक दीपक कुमार ने पीटीआई-से कहा कि कोतवताली पुलिस थाने में इस संबंध में एफआईआर दर्ज की गई है और जांच जारी है।

आपदा में अवसर तलाश रही योगी सरकार और भ्रष्टाचार का बोलबाला: अजय कुमार लल्लू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश के कई जिलों में व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट की खरीद में हुए कथित घोटालों के लिए योगी सरकार पर आरोप लगाते हुये कहा कि भ्रष्टाचारियों और घोटालेबाजों को सरकारी संरक्षण मिला हुआ है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने शुक्रवार को जारी एक बयान में आरोप लगाते हुए कहा, ''योगी सरकार से शासन-प्रशासन बिलकुल नहीं चल पा रहा है। प्रदेश में घोटालों की बाढ़ आई हुयी है। एक के बाद एक घोटाला सामने आ रहा है। वैश्विक महामारी में जहाँ एक ओर लोगों की कमर टूट गयी है वहीं घोटालेबाजों की योगी सरकार की प्रशासनिक अक्षमता के चलते पौ बारह है।'' प्रदेश अध्यक्ष लल्लू ने कहा कि मौजूदा योगी सरकार का पूरा अमला आपदा में अवसर तलाशता नजर आ रहा है, महामारी के बावजूद वह घोटाले और भ्रष्टाचार को नए आयाम दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इन घोटालेबाजों पर लगाम लगाये जाने की बजाय घोटालों के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों पर ही मुकदमा ठोक रही है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को जनपद सुल्तानपुर तथा गाजीपुर सहित कुछ अन्य जनपदों की कतिपय ग्राम पंचायतों में पल्स आक्सीमीटर तथा इन्फ्रारेड थर्मामीटर की बाजार मूल्य से अधिक दर पर खरीद किए जाने के प्रकरण को अत्यन्त गम्भीरता से लेते हुए इस मामले की जांच हेतु विशेष जांच दल के गठन के निर्देश दिए थे।

भारत-चीन तनाव के बीच संसदीय समिति के समक्ष पेश हुए प्रमुख रक्षा अध्यक्ष बिपिन रावत

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

लद्दाख में एलएसी पर भारत और चीन के बीच लंबे समय से चल रहे गतिरोध के बीच शुक्रवार को प्रमुख रक्षा अध्यक्ष बिपिन रावत संसद की रक्षा मामलों की समिति के समक्ष पेश हुए। हालांकि, बैठक का आधिकारिक एजेंडा सैन्य बलों, विशेषकर सीमा क्षेत्रों में, के लिए राशन के सामान और वर्दी का प्रावधान और इसकी गुणवत्ता की निगरानी के तौर पर सूचीबद्ध किया गया था, लेकिन कुछ सदस्यों ने कहा कि वह लद्दाख की स्थिति का मामला भी उठाएंगे। संसद की रक्षा मामलों की समिति के अध्यक्ष भाजपा नेता जोएल ओराम हैं।

समिति की शुक्रवार को हुई बैठक में जो सदस्य शामिल हुए उनमें राकांपा प्रमुख शरद पवार और कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी शामिल हैं। पिछले साल लोकसभा चुनाव के बाद इस समिति में नामित किए जाने के बाद से राहुल गांधी

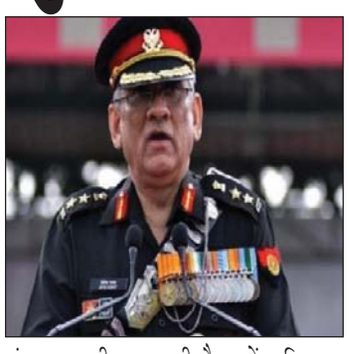

संभवतः पहली बार इसकी बैठक में शामिल हुए हैं। इससे पहले दिन में पवार ने संवाददाताओं से कहा था कि वह लद्दाख में एलएसी पर स्थिति को लेकर सदस्यों के समक्ष एक प्रस्तुतीकरण देने के लिए कहेंगे। हालांकि भारतीय सेना और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के बीच मई की शुरुआत से पूर्वी लद्दाख में एलएसी के पास कई स्थानों पर तनावपूर्ण गतिरोध बना हुआ है।

एलएसी पर 45 साल में पहली बार सोमवार को गोलीबारी हुई। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर हवा में गोलीबारी करने का आरोप लगाया। हालांकि, विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष वांग यी के बीच बृहस्पतिवार शाम को हुई वार्ता के बाद दोनों देश एक समझौते पर सहमत हुए हैं। इसके पांच सूत्री खाके में सैनिकों की तत्काल वापसी और चार माह पुराने गतिरोध के हल को लेकर तनाव बढ़ाने वाले किसी कदम से बचना शामिल है। साथ ही यह भी रेखांकित किया गया कि सीमा पर वर्तमान स्थिति किसी भी पक्ष के हित में नहीं है।

सरकारी सूत्रों ने कहा कि भारतीय पक्ष ने लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन की तरफ भारी संख्या में सैनिकों और सैन्य साजो सामान की तैनाती का मुद्दा भी मजबूती से उठाया और अपनी चिंताएं जाहिर की। सूत्र ने शुक्रवार को कहा किचीनी पक्ष सैनिकों की तैनाती को लेकर कोई पुख्ता स्पष्टीकरण पेश नहीं कर सका।

भारत-चीन सीमा के हालात पर सरकार को देना चाहिए प्रस्तुतिकरण: शरद पवार

नयी दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने शुक्रवार को कहा कि भारत चीन सीमा पर, खासकर लद्दाख में जो कुछ भी हो रहा है, सरकार को उस पर एक प्रस्तुतिकरण देना चाहिए। रक्षा मामलों की स्थायी संसदीय समिति की बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली आए पवार ने कहा कि चर्चा के लिए रक्षा संबंधित अन्य विषय भी हैं लेकिन वह अनुरोध करेंगे कि इस मुद्दे पर प्रस्तुतिकरण दिया जाए। पवार ने कहा, 'भारत चीन सीमा पर, विशेषकर लद्दाख क्षेत्र में जो कुछ भी हो रहा है उसके बारे में हम सभी चिंतित हैं। रक्षा संबंधित विभिन्न विषय हैं, जिन पर बैठक में चर्चा होगी। मैं एक अनुरोध करूंगा कि जमीनी हालात पर एक प्रस्तुतिकरण दिया जाए।' मीडिया द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार इस मुद्दे पर कुछ छिपा रही है, पवार ने कहा कि उनके पास ऐसी कोई जानकारी नहीं है, इसलिए वह कोई आरोप नहीं लगाना चाहते। उन्होंने कहा कि भारत-चीन सीमा पर जारी तनाव एक बहुत संवेदनशील मामला है और इस पर किसी को भी आरोप प्रत्यारोप से बचना चाहिए। पवार ने कहा कि इसकी बजाय सशस्त्र सेनाओं के मनोबल को बढ़ाने पर जोर देना चाहिए ताकि पड़ोसी देश के आक्रामक मंसूबों को नाकाम किया जा सके।

एकनाथ खडसे की टिप्पणी पर बोले फडणवीस, मैं व्यक्तिगत विषयों पर सार्वजनिक रूप से चर्चा नहीं करता

मुंबई। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि उनके पास काफी धैर्य है और वह व्यक्तिगत विषयों पर सार्वजनिक रूप से चर्चा नहीं करते। दरअसल, फडणवीस पर उनकी ही पार्टी के असंतुष्ट नेता एकनाथ खडसे ने एक दिन पहले आरोप लगाया था कि उनके खिलाफ लगाये गये आरोपों में उनका (फडणवीस का) 'प्रत्यक्ष या परोक्ष' रूप से हाथ था। हालांकि, फडणवीस ने खडसे की आलोचना करने से बचने की कोशिश की और कहा कि उनकी (खडसे की) जो कुछ शिकायत है उसे पार्टी के अंदर चर्चा कर हल किया जाएगा। खडसे ने बृहस्पतिवार को कहा था कि वह एक पुस्तक के जरिये उस षडयंत्र का खुलासा करेंगे, जो 2016 में राज्य में फडणवीस नीत सरकार से उन्हें मंत्री पद से हटाये जाने के बारे में है।

खडसे (68) ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की नजरों में उन्हें भ्रष्ट व्यक्ति के रूप में दिखाने का माहौल बनाया गया। फडणवीस ने नयी दिल्ली में संवाददातओं से कहा, ''मेरे पास काफी धैर्य है और मैं व्यक्तिगत विषयों पर सार्वजनिक रूप से चर्चा नहीं करना चाहता। खडसे साहेब हमारे वरिष्ठ नेता हैं। इसलिए, मैं

उनकी आलोचना या उन पर टिप्पणी नहीं करूंगा।'' खडसे, फडणवीस सरकार में राजस्व मंत्री थे। उन्होंने अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम के कराची आवास से कॉल आने और जमीन कब्जा करने के आरोपों का सामना किया था।

मनीष भांगले नाम के एक हैकर ने उस वक्त दावा किया था कि खडसे को दाऊद के कॉल आये हैं। महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता फडणवीस ने कहा कि खडसे को भांगले से जुड़े विषय में इस्तीफा नहीं देना पड़ा और इसके बजाय मामले में उन्हें 12 घंटे के अंदर क्लीन चिट दी गई। उन्होंने कहा, ''खडसे को जमीन कब्जा करने के मामले में इस्तीफा देना पड़ा था।'' उन्होंने कहा कि मैंने एक न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली एक समिति गठित की थी। खडसे ने खुद इसकी मांग की थी।

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है राजस्थान सरकार: गहलोत

जयपुर। (एजेंसी)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को उच्च तथा तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। गहलोत शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के ई-लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के गांव-ढाणी में रहने वाले बच्चे भी डॉक्टर-इंजीनियर, वैज्ञानिक तथा रिसर्च स्कॉलर जैसे उत्कृष्ट मानवीय संसाधन के रूप में तैयार हो सकें इस उद्देश्य से दूरस्थ क्षेत्रों तक उच्च तथा तकनीकी शिक्षा का प्रसार करना हमारी प्राथमिकता है।

उन्होंने इस अवसर पर करीब 62 करोड़ रुपये की लागत से उच्च शिक्षा के 9 राजकीय महाविद्यालयों तथा करीब 23.22 करोड़ रुपये की लागत से तकनीकी शिक्षा के 10 राजकीय इंजीनियरिंग एवं पॉलीटेक्निक महाविद्यालयों में नवनिर्मित भवनों, बालिका छात्रावास, अनुसूचित जाति एवं जनजाति बालिका छात्रावास, प्रयोगशाला, नवीन आधारभूत संरचनाओं एवं तीन नवाचारों आनंदम पाठ्यक्रम, ई-कंटेंट तथा

पॉलीटेक्निक कॉलेज में सेमेस्टर प्रणाली का ई-लोकार्पण किया। गहलोत ने कहा, ''बीते करीब डेढ़ साल में 87 नए सरकारी महाविद्यालय खोलने का जो अभूतपूर्व काम हुआ है वह उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के हमारे दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। इसके साथ ही कोरोना के इस संकटकाल में भी ऑनलाइन टीचिंग तथा ई-कंटेंट जैसे नवाचारों को अपनाकर विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है।''

तकनीकी शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण महामारी जैसे चुनौतीपूर्ण वक्त में भी राजस्थान सुशासन के मॉडल के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि 'कोई भी भूखा न रहे' के साथ ही हमारा ध्येय यह भी बन गया है कि किसी भी विद्यार्थी को पढ़ाई से वंचित न रहना पड़े। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री भंवरसिंह भाटी ने कहा कि सरकार की नीति रही है कि सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों को उनके घर के नजदीक ही उच्च शिक्षा ग्रहण करने के अवसर उपलब्ध हों।

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने मूल्य आधारित शिक्षा पर दिया जोर, जानिए क्या कुछ कहा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने बच्चों के समग्र विकास के लिए शुक्रवार को मूल्य आधारित शिक्षा पर जोर दिया। उन्होंने मूल्य आधारित शिक्षा और शिक्षण को शिक्षा प्रणाली का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। नायडू 'हार्टफुलनेस ऑल इंडिया एसे राइटिंग इवेंट' की ऑनलाइन शुरुआत के अवसर पर बोल रहे थे। यह आयोजन संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में हर साल जुलाई से नवंबर के बीच होता है। उपराष्ट्रपति ने मूल्य आधारित शिक्षा पर ध्यान देने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की प्रशंसा की और कहा कि मूल्यों पर जोर ''प्राचीन समय से ही हमारी सभी शिक्षाओं का अभिन्न अंग'' रहा है।

नायडू ने कहा कि आज के दिन और तेजी से आगे बढ़ते सूचना प्रौद्योगिकी जगत में मूल्य आधारित शिक्षा का काफी महत्व है। आधिकारिक बयान के अनुसार सार्वभौमिक मूल्यों पर आधारित नींव के पुनर्निर्माण की आवश्यकता व्यक्त करते हुए उपराष्ट्रपति ने जड़ों की ओर लौटने और भारत की पारंपरिक शिक्षा पद्धतियों

संबंधी ज्ञान को स्थापित करने का आह्वान किया। नायडू ने सरकारों, अभिभावकों, शिक्षकों, संस्थानों और स्वयंसेवी संगठनों का आह्वान किया कि वे छात्रों को जीवन का महत्वपूर्ण पाठ पढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि देश इस दिशा में आगे बढ़ता है तो भारत मूल्य आधारित शिक्षा के पुनरुत्थान का नेतृत्व करेगा जिसका पूरी दुनिया अनुसरण करेगी।

उपराष्ट्रपति ने विश्वविद्यालयों से मानकों में सुधार करने को कहा जिससे कि भारत ज्ञान और नवोन्मेष का अग्रणी केंद्र बन सके। नायडू ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र के संस्थानों को अनुसंधान में व्यापक निवेश करना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कोविड-19 से उत्पन्न चुनौती की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रों ने दृढ़ संकल्प प्रदर्शित किया है और वे चुनौती से उबरने की दिशा में मिलकर काम कर रहे हैं। यह उल्लेख करते हुए कि प्रतिकूल परिस्थिति ऐसा समय होता है जब किसी के चरित्र की परीक्षा होती है, नायडू ने कहा, ''जब हम मजबूत मूल्यों के साथ मिलकर काम करते हैं तो कोई समस्या ऐसी नहीं जिसे पराजित न किया जा सके।''

बयान के अनुसार, नायडू ने यह भी कहा कि महामारी ने लोगों के मस्तिष्क में कुछ तनाव पैदा किया है और परिवार के साथ मिलकर रहना तथा ध्यान का अभ्यास करना इससे मुक्ति पाने का सर्वश्रेष्ठ तरीका है। उन्होंने कहा कि ''चीजों को साझा करना और एक-दूसरे की देखभाल करना'' भारतीय दर्शन का महत्वपूर्ण अंग रहा है, इसलिए दया, सहानुभूति, बड़ों के लिए सम्मान तथा धार्मिक सहिष्णुता को अपनाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने अपील की कि महामारी की वर्तमान स्थिति में जरूरतमंदों और वंचित लोगों की मदद की जानी चाहिए।

बिहार में 16 हजार करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे पीएम मोदी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनावी राज्य बिहार में आगामी 10 दिनों में 16,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की विभिन्न विकास परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे। सूत्रों ने शुक्रवार को इस बारे में बताया। उन्होंने बताया कि विकास की इन विभिन्न परियोजनाओं से आधारभूत संरचना बेहतर होगी और बिहार के लोगों को फायदा होगा।

उन्होंने बताया कि ये परियोजनाएं एलपीजी पाइपलाइन, एलपीजी बॉटलिंग प्लांट, नमामि गंगे के तहत सीवेज निस्तारण संयंत्र, जलापूर्ति योजना, नदी के तटों का विकास करने की परियोजना, नयी रेलवे लाइन, रेलवे पुल, विभिन्न खंडों का विद्युतीकरण और राजमार्ग तथा पुलों के निर्माण से संबंधित हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री इन कार्यक्रमों के दौरान राज्य के लोगों से भी संवाद करेंगे। एक सूत्र ने बताया, ''इन परियोजनाओं की लागत 16,000 करोड़ रुपये से ज्यादा है, इसलिए कोविड-19 के समय में सरकारी खर्च से विकास को बढ़ावा मिलेगा।'' बिहार में अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होना है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नवाज शरीफ ने तत्काल पाकिस्तान वापसी के खिलाफ समीक्षा याचिका दायर की

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने बुधवार को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर कहा कि उनका स्वास्थ्य अभी ऐसा नहीं है कि वह लंदन से वापस लौटकर 10 सितंबर तक भ्रष्टाचार के एक मामले में आत्मसमर्पण कर सकें। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने पिछले हफ्ते शरीफ को

आत्मसमर्पण के लिए आखिरी मौका देते हुए 10 सितंबर को पेश होने को कहा था। अदालत ने अल-अजीजिया भ्रष्टाचार मामले में सुनवाई के लिए पेश होने का निर्देश दिया है। अदालत ने पेश नहीं होने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी थी। शरीफ (70) पिछले साल नवंबर से लंदन में हैं। लाहौर उच्च न्यायालय ने उन्हें हृदय व अन्य रोगों के इलाज के लिए चार सप्ताह की खातिर विदेश जाने की अनुमति दी थी। तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके शरीफ को अल-अजीजिया स्टील मिल्स मामले में सात साल की सजा सुनाई गई है। डॉन समाचार पत्र ने बताया कि नवाज के वकील ख्वाजा हारिस अहमद ने बुधवार को समीक्षा याचिका दायर की और उनकी बीमारी से जुड़ी मेडिकल फाइलें पेश कीं जिन्हें लंदन के सर्जन डेविड लॉरेंस ने सत्यापित किया है। याचिका में कहा गया है कि तथ्य यह है कि नवाज शरीफ अब भी कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं और कोरोना वायरस महामारी के कारण लंदन में उनके इलाज में देरी हुयी है। उनका इलाज कर रहे डॉक्टरों ने उन्हें सख्त सलाह दी है कि वह अपना इलाज कराए बिना पाकिस्तान की यात्रा नहीं करें।

अमेरिका ने रद्द किया 1000 स्टूडेंट का वीजा, चीन ने बताया नस्लीय भेदभाव भरा फैसला

बीजिंग।

अमेरिका द्वारा चीन के करीब 1000 छात्रों का वीजा रद्द करने के फैसले को चीन के विदेश मंत्रालय ने ''नस्लीय भेदभाव और मानवाधिकार का उल्लंघन बताया है । विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने एक बयान में कहा कि छात्रों का वीजा रद्द करना ''राजनीतिक दमन और नस्लीय भेदभाव की तरह है । एक दिन पहले ही अमेरिका के कार्यकारी गृह सुरक्षा सचिव चाड वुल्फ ने कहा कि उनके विभाग ने ''चीनी सेना के साथ जुड़ाव वाले कुछ चीनी छात्रों और शोधार्थियों का वीजा रद्द करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि ये छात्र ''संवेदनशील और गोपनीय सूचनाएं हासिल न कर पाएं इसलिए यह कदम उठाया गया है । वुल्फ ने कहा कि चीन ''छात्र वीजा का दुरुपयोग कर संवेदनशील सूचनाएं इकट्ठा करने का काम कर रहा है। उन्होंने इस संबंध में चीनी नागरिकों के कदमों को लेकर एक सूची भी पेश की लेकिन इसमें कुछ ही विवरण दिए गए हैं । बाद में , विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि करीब 1000 छात्रों का वीजा रद्द किया गया है । झाओ ने कहा कि इस कदम से अमेरिका में अध्ययन करने के चीनी छात्रों के वैध अधिकार और हितों को नुकसान पहुंचा है । उन्होंने कहा, ''यह राजनीतिक दमन और नस्लीय भेदभाव की कार्रवाई है और इससे वहां पढ़ाई कर रहे चीनी छात्रों के मानवाधिकारों का सरासर उल्लंघन

हुआ है। झाओ ने कहा, ''इस मामले में आगे कार्रवाई करने के लिए चीन के पास भी अधिकार है। व्यापार, प्रौद्योगिकी, बौद्धिक संपदा अधिकार समेत कई मुद्दों पर अमेरिका-चीन के बीच टकराव चल रहा है ।

UN बोला- कोरोना के खिलाफ WHO के अभियान के लिए फंड की जरुरत, आगे आए विश्व समुदाय

इंटरनेशनल डेस्क:

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कोरोना वायरस (Covid-19) के वैक्सीन तथा इसके उपचार के लिए चिकित्सा विज्ञान पद्धति के विकास के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के नेतृत्व में ''एक्सेस टू कोविड-19 टूल्स (एसीटी) एक्सिलेरेटर नामक चलाए जा रहे वैश्विक अभियान के लिए जल्द से जल्द फंड जुटाने की अपील की है। गुटेरेस ने एक्सेस टू कोविड-19 टूल्स एक्सिलेरेटर (एसीटी-परिषद) के शुभारंभ के अवसर पर विश्व समुदाय से अपील करते हुए कहा कि दुनिया को दोबारा पहले की तरह ही गतिशील, कार्यशील और समृद्ध बनाने के लिए हमें Covid-19 जैसी वैश्विक समस्या का समाधान निकालना होगा जिसके लिए बड़े पैमाने पर फंड की जरुरत है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि अब तक इसके लिए तीन अरब अमेरिकी डॉलर का योगदान दिया जा चुका है जोकि इस अभियान के

पहले चरण को शुरू करने के लिए काफी आवश्यक है, लेकिन इसे सफल बनाने के लिए हमें 35 अरब डॉलर की जरुरत है। अगले तीन महीनों के भीतर इस वैश्विक अभियान के लिए 15 अरब डॉलर जुटाने होंगे जिससे वैक्सीन और उपचार पद्धति के विकास के लिए अनुसंधान कार्य को आगे बढ़ाया जा सके। इसीलिए विश्व समुदाय को तुरंत इसमें अपना योगदान देना चाहिए।

लद्दाख विवाद पर जयशंकर की चीन को दो टूक-दोनों देशों के बीच अच्छे रिश्ते के लिए LAC पर शांति जरूरी

नेशनल डेस्क:

पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर सैन्य तनाव के बीच रूस में विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच लंबी बैठक हुई। विदेश मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार बैठक करीब तीन घंटे चली जिसेक बाद दोनों देशों ने संयुक्त रूप से बयान जारी किया। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी को साफ शब्दों में कहा कि अगर दोनों देशों (भारत-चीन) के रिश्तों को आगे बढ़ाना है तो सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं सौहार्द बनाए रखना जरूरी। जयशंकर ने वांग से कहा कि लद्दाख में हुई हाल की घटनाओं से रिश्तों पर असर पड़ा और तत्काल समाधान भारत तथा चीन के हित के लिए जरूरी है। वहीं चीन और भारत के विदेश मंत्री दोनों ने इस बात पर सहमति जताई कि सीमावर्ती क्षेत्रों में मौजूदा हालात दोनों ही पक्षों के लिए हितकर नहीं हैं।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने पूर्वी लद्दाख में चीन की 'पीपल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) द्वारा बलों की तैनाती का मामला उठाया। इस दौरान दोनों देशों के विदेश मंत्री पांच बिंदुओं वाले एक समझौते पर पहुंचे, जो पूर्वी लद्दाख में सीमा पर गतिरोध सुलझाने में दोनों देशों का मार्गदर्शन करेगा। बता दें कि जयशंकर और वांग शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के लिए रूस की राजधानी में थे।

संक्षिप्त समाचार

गरीबी पर कोरोना का सबसे खराब प्रभाव होना अभी बाकी

जिनेवा। निर्धनता के संबंध में संयुक्त राष्ट्र के एक स्वतंत्र विशेषज्ञ ने आगाह किया है कि कोरोना वायरस महामारी का गरीबी पर सबसे बुरा प्रभाव होना अभी बाकी है तथा लोगों की सुरक्षा के लिए सरकारों द्वारा अब तक किए गए उपाय अपर्याप्त हैं। अत्यधिक गरीबी और मानवाधिकारों के संबंध में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद द्वारा विशेष रूप से नियुक्त बेल्जियम के कानूनी विशेषज्ञ ओलिवियर डे शटर ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा के लिए उपाय में कई कमियां हैं। उन्होंने कहा, ये मौजूदा उपाय आम तौर पर अल्पकालिक हैं, वित्तपोषण अपर्याप्त है और कई लोगों की मुश्किलें बढ़ेंगी। उनका यह संदेश इसी महीने होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक से संबंधित विश्व नेताओं के लिए था। शुक्रवार को जारी संयुक्त राष्ट्र के एक बयान के अनुसार उन्होंने गरीबी उन्मूलन और असमानता में कमी लाने के लिए और अधिक निर्णायक कदम उठाने का आह्वान किया। विशेषज्ञ ने कहा कि इस महामारी से उत्पन्न आर्थिक मंदी 1930 के दशक की महामंदी के बाद से अभूतपूर्व है। उन्होंने आगाह किया कि गरीबी रेखा के लिए प्रतिदिन 3.20 डॉलर प्रति दिन के आधार पर दुनिया भर में 17.6 करोड़ अतिरिक्त लोग गरीबी के दायरे में आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि सरकारों ने मदद के लिए सामाजिक योजनाओं की बात की है लेकिन दुनिया के निर्धनतम लोग अक्सर उसके लाभ से बाहर रह जाते हैं क्योंकि वे डिजिटल साक्षर नहीं हैं या इंटरनेट तक उनकी पहुंच नहीं है।

आसियान देशों के राजदूतों ने विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला से मुलाकात की

नयी दिल्ली. आसियान के दस सदस्य देशों के राजदूतों ने बृहस्पतिवार को विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला से मुलाकात की और भारत के साथ करीबी सहयोग को और विस्तार देने के लिए नयी पहल के बारे में चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। श्रीवास्तव ने कहा कि राजदूतों ने विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्वी) विजय ठाकुर सिंह से भी मुलाकात की। श्रीवास्तव ने ट्वीट करके यह जानकारी दी। दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन (आसियान) दस दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का समूह है, जो अपने सदस्यों एवं एशिया के अन्य देशों के साथ आर्थिक विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने और क्षेत्र में शांति और स्थिरता कायम करने के लिए कार्य करते हैं। इंडोनेशिया, थाईलैंड, सिंगापुर, मलेशिया, फिलीपीन, वियतनाम, म्यामां, कंबोडिया, ब्रूनेई और लाओस इसके सदस्य हैं।

अर्जेंटीना में कोरोना संक्रमण के 11,905 नये मामले

ब्यूनस ऑयर्स । अर्जेंटीना में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के 11,905 नये मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों की संख्या 5,24,198 हो गयी है।अर्जेंटीना के स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार देर रात एक वक्तव्य जारी कर यह जानकारी दी। इससे एक दिन पहले देश में कोरोना संक्रमण के 12,259 नये मामले सामने आये थे जबकि 254 मरीजों की मौत हुई थी। वक्तव्य के मुताबिक इस दौरान कोविड-19 से 250 मरीजों की मौत होने से अर्जेंटीना में इस महामारी से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 10,907 हो गयी है।गौरतलब है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 11 मार्च को कोरोना वायरस (कोविड-19) को महामारी घोषित किया था। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक दुनिया भर में कोरोना संक्रमण के 2.80 करोड़ से अधिक मामलों की पुष्टि हो चुकी है जबकि इस महामारी से नौ लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

फ्रांस में कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 9,843 नये मामले

पेरिस । फ्रांस में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के 9,843 नये मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या 3,53,944 हो गई। देश में इस महामारी की शुरुआत के बाद से एक दिन में यह सर्वाधिक नये मामले हैं। इससे पहले चार सितंबर को फ्रांस में कोरोना के 8,975 नये मामले सामने आये थे। बुधवार को फ्रांस में कोरोना के 8,577 नये मामले सामने आये थे। फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। इस दौरान कोविड-19 से 19 और लोगों की मौत होने से इस महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 30,813 हो गयी है। फ्रांस में अप्रैल के मध्य से कोरोना संक्रमण के नये मामलों में कमी आना शुरू हुई थी, लेकिन पिछले कुछ दिनों से देश में कोरोना संक्रमण के नये मामलों में लगातार रिकॉर्ड इजाफा हो रहा है।फ्रांस में कोविड-19 के 5096 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं जिनमें से 615 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई और वे वेंटिलेटर पर हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने कहा है कि देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए वह शुक्रवार को रक्षा परिषद की बैठक में नये नियमों की घोषणा करेंगे।

ब्राजील में कोविड-19 से अब तक 1.29 लाख से अधिक लोगों की मौत

ब्राजीलिया । वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) से गंभीर रूप से जूझ रहे लैटिन अमेरिकी देश ब्राजील में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 40,557 नये मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों की संख्या 42 लाख को पार कर 42,38,446 हो गयी है।ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार देर रात जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले 24 घंटों के दौरान इस महामारी से 983 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 1,29,522 पहुंच गयी है। इससे पहले ब्राजील में बुधवार को कोरोना संक्रमण के 35,816 नये मामले सामने आये थे और कोविड-19 के कारण 1075 लोगों की मौत हुई थी।अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक कोरोना संक्रमितों की संख्या के मामले में ब्राजील (42.38 लाख) अमेरिका (63.96 लाख) और भारत (45.59 लाख) के बाद तीसरे स्थान पर है। कोरोना के कारण हुई मौतों की संख्या वाली सूची में ब्राजील अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर ही मौजूद है। ब्राजील का सर्वाधिक जनसंख्या वाला साओ पाउलो शहर कोरोना से बुरी तरह प्रभावित है और यहां अब तक 32,104 लोगों की इस महामारी से मौत हो चुकी है।

अमेरिकी प्रतिबंध से Huawei की चिप आपूर्ति, वृद्धि प्रभावित: अधिकारी

हांगकांग:

अमेरिकी पाबंदियों के चलते चीन की दूरसंचार नेटवर्क एवं डिजिटल प्रौद्योगिकी कंपनी हुवावेई को कंप्यूटर चिप की कमी का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी का कहना है कि कंपनी के स्मार्टफोन कारोबार पर भी इसका बुरा असर पड़ा है। हुवावेई टेक्नोलॉजीस में कंप्यूटर कारोबार के अध्यक्ष रिचर्ड येयू ने कंपनी की एक बैठक में कहा कि पाबंदी के कारण पैदा हुई इस समस्या के बावजूद चीन के स्मार्टफोन उद्योग में कंपनी 51 प्रतिशत की हिस्सेदारी हासिल करने में सफल रही है। येयू ने अमेरिकी पाबंदियों का उल्लेख करते हुए कहा कि 'कंपनी को यह तीसरा झटका लगा है। इसके बावजूद हम अपने कारोबार की वृद्धि करने में सफल रहे हैं। हालांकि पिछले माह कंपनी के कारोबार की वृद्धि प्रभावित हुई।' अमेरिका ने राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंता के कारण हुवावेई के साथ कारोबार पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। इस सिलसिले में अगस्त में जारी एक आदेश के मुताबिक विदेशी सेमीकंडक्टर कंपनियों के ऐसे कंप्यूटर चिप हुवावेई को बेचने से रोक दिया गया जिन्हें अमेरिकी प्रौद्योगिकी के सहारे बनाया गया हो। इससे पहले मई में अमेरिका ने कहा था कि

अमेरिकी प्रौद्योगिकी और सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करने वाली कोई चिप विनिर्माता कंपनी बिना लाइसेंस के हुवावेई को चिप नहीं दे सकती। अमेरिका ने हुवावेई को पिछले साल ही व्यापार की काली सूची में डाल दिया था।

भारत ने UN में पाकिस्तान को घेरा, कहा-पहले अपने देश की समस्याओं को सुलझाएं, फिर दूसरों से उलझे

नेशनल डेस्क।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने अपने देश में और सीमा पार 'हिंसा की संस्कृति% को बढ़ावा दिया है और मानवाधिकारों पर उसके खेदजनक रिकॉर्ड तथा धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार वैश्विक समुदाय के लिए लगातार चिंता का विषय बना हुआ है। भारत ने कहा कि पाकिस्तान पहले अपनी समस्याओं को सुलझाए, उसके बाद किसी के घर में झांके। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की काउंसलर पाउलोमी त्रिपाठी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'शांति की संस्कृति' पर एक कार्यक्रम में कहा कि दुर्भाग्य से, हमने पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल द्वारा संयुक्त राष्ट्र मंच का इस्तेमाल भारत के खिलाफ घृणा भाषण देने के लिए करने के एक और प्रयास को देखा। त्रिपाठी ने कहा कि यह ऐसे समय में हो रहा है जब पाकिस्तान अपने देश में और सीमा पार हिंसा की संस्कृति को बढ़ावा दे रहा है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के राजदूत मुनीर अकरम की जम्मू-कश्मीर, बाबरी मस्जिद विध्वंस और अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण को लेकर की गई टिप्पणियों की कड़ी निंदा की। त्रिपाठी ने कहा कि पाकिस्तान के मानवाधिकारों के खेदजनक रिकॉर्ड और धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार वैश्विक समुदाय के लिए लगातार चिंता का विषय बना हुआ है। उन्होंने कहा कि ईशनिंदा कानून

का इस्तेमाल हिंदुओं, ईसाइयों और सिखों जैसे धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ उनके मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में महिलाओं और लड़कियों की हालत विशेष रूप से खराब है क्योंकि उनका अपहरण किया जाता है, बलात्कार किया जाता है और उनका धर्मांतरण करके बलात्कारियों से उनकी जबरन शादी करा दी जाती है। त्रिपाठी ने कहा कि वैश्विक महामारी के कारण स्थिति अब और खराब हो गई है।

कोविड-19 टीके का परीक्षण रूकने से ज्यादा चिंतित नहीं है डब्ल्यूएचओ : वैज्ञानिक

लंदन: विश्व स्वास्थ्य संगठन की मुख्य वैज्ञानिक का कहना है कि ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और दवा कंपनी ऐस्ट्राजेनेका द्वारा विकसित कोविड-19 टीके का परीक्षण रूकने से एजेंसी बहुत चिंतित नहीं है। डॉक्टर सौम्या स्वामीनाथन ने ऑक्सफोर्ड के क्लीनिकल परीक्षण में आई रूकावट को दुनिया के लिए यह समझने का अवसर बताया कि ''अनुसंधान में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। उनका कहना है कि मनुष्यों पर अभी तक हुए परीक्षण के आंकड़े काफी अच्छे हैं और उनमें कुछ देर के लिए इस रोग से लड़ने की क्षमता विकसित हो रही है। उनका कहना है कि टीका लोगों को रोग से बचाने में सक्षम है या नहीं यह तय करने के लिए हजारों-लाखों लोगों पर परीक्षण करने की जरुरत है। स्वामीनाथन ने कहा, ''हो सकता है कि साल के अंत तक कुछ परिणाम निकले, या फिर अगले साल आए। उन्होंने कहा, ''हमें परिणाम पाने के लिए थोड़ा धीरज धरना होगा।

दुनियाभर में कोरोना से 2.80 करोड़ संक्रमित, 9.08 लाख की मौत

वाशिंगटन।

विश्व में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से दो करोड़ 80 लाख से अधिक लोग संक्रमित हो गये हैं और 9.08 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से विश्वभर में अब तक 2,80,64,801 लोग संक्रमित हुए हैं और 908,257 लोगों की मौत हुई है। वैश्विक महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 63,96,073 पर पहुंच गयी है और अब तक 1,91,753 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं भारत में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 96,551 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 45,62,415 हो गया। वहीं इस दौरान 1209 मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 76271 हो गयी है। ब्राजील में अब तक 42,38,446 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 1,29,522 लोगों की मौत हो चुकी है। रूस में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 10,42,836 पहुंच गई हैं तथा 18,207 लोगों ने जान गंवाई है। पेरू में कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है और यह कोरोना से संक्रमित होने के मामले में वह पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। यहां इस वायरस से अब तक 7,02,776 लोग संक्रमित हुए हैं और 30,236 लोगों की मौत हो चुकी है। कोलम्बिया में इस वायरस से अब तक 6,94,664 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 22,275 है। वहीं मेक्सिको ने कोरोना से प्रभावित होने के मामले में दक्षिण अफ्रीका को पीछे छोड़ दिया है। यहां इससे अब तक 6,52,364 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 69,649 लोगों की मौत हो चुकी है। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना संक्रमितों की संख्या 6,44,438 पर पहुंच गई है तथा इस वायरस से मरने वालों की संख्या 15,265 हो गयी हैं। स्पेन नए मामलों में वृद्धि के बाद अब नौवें स्थान पर है यहां अब तक करीब 5,54,143 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 29,699 लोगों की मृत्यु हुई है। कोविड-19 से संक्रमित मामलों में अर्जेंटीना ने चिली को पीछे छोड़ दिया है और अब 10वें नंबर पर पहुंच गया है। यहां इस वायरस से अब तक 5,24,198 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 10,907 है। चिली में कोरोना से 4,28,669 लोग संक्रमित हो चुके हैं तथा 11,781 लोगों की मौत हुई है। ईरान में अब तक इस महामारी से 3,95,488 संक्रमित है जबकि 22,798 लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना से प्रभावित होने के मामले में फ्रांस ने ब्रिटेन पीछे छोड़ दिया है। यहां इस संक्रमण की चपेट में अब तक 3,92,243 लोग आए हैं तथा 30,819 लोगों की मृत्यु हुई है। वहीं ब्रिटेन में कोरोना से अब तक 3,60,534 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 41,697 लोगों की मौत हुई है। कोरोना संक्रमण मामलों में बंगलादेश सऊदी अरब से आगे निकल गया है और यहां संक्रमितों की संख्या 3,32,970 हो गई है तथा 4,634 लोगों की मौत हो चुकी है। सऊदी अरब में कोरोना के 3,23,720 मामले सामने आए हैं जबकि 4,189 लोगों की मौत हो चुकी हैं। पाकिस्तान में कोरोना से अब तक 3,00338 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 6,370 लोगों की मौत हो चुकी है। तुर्की में कोरोना संक्रमित की संख्या 2,86,455 हो गयी है और 6895 लोगों की मौत हो चुकी है। यूरोपीय देश इटली में इस जानलेवा विषाणु से 2,83,180 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 35,587 लोगों की मौत हुई है। कोविड-19 से प्रभावित होने के मामले में इराक जर्मनी से आगे निकल गया है। यहां इस जानलेवा विषाणु से अब तक 2,78,418 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 7,814 लोगों की मौत हुई है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब यूपी में भी बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के हो सकेगा कोविड टेस्ट

लखनऊ (एजेसी)। निजी पैथ. ालॉजी के लिए कोविड–19 की जांच की दरें तय करने के दूसरे ही दिन राज्य सरकार ने बगैर डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के भी टेस्टिंग कराने की अनुमति दे दी है।

यानि अब उत्तर प्रदेश में लोग कोरोना की 'ऑन डिमांड टेस्टिंग' करा सकते हैं।

अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि अब जरूरत पड़ने पर लोग बगैर डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के भी टेस्टिंग करा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि सरकार ने इसके लिए एक शासनादेश जारी कर दिया है।

इसमें बताया गया है कि कौन से लोग बगैर डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के टेस्टिंग करा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि वह व्यक्ति जो किसी संक्रमित के संपर्क में रहा हो, सीधे टेस्टिंग करा सकता है।

इसके अलावा लक्षण वाले लोग भी ऑन डिमांड टेस्टिंग करा सकते हैं।

साथ ही किसी व्यक्ति को यदि विदेश जाना हो या किसी काम के लिए कोविड–19 नेगेटिव सर्टिफिकेट की जरूरत है तो वह व्यक्ति भी बिना प्रिस्क्रिप्शन के टेस्टिंग करा सकेगा अब इसकी अनुमति दे दी गई है।

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि कुछ शिकायतें मिली थीं कि लोग टेस्टिंग के समय गलत मोबाइल नंबर और पता दे रहे हैं।

इसके लिए भी सरकार ने नई व्यवस्था की है।

अब ये लैब की जिम्मेदारी होगी कि कोई भी व्यक्ति अगर टेस्ट कराए तो उसके मोबाइल नंबर की जांच करें।

साथ ही एक पहचान पत्र की छायापत्रि देना भी अनिवार्य कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि अगर कोई व्यक्ति दो–तीन लैब्स में अपनी कोविड टेस्टिंग कराता है तो उसे सभी जगह एक ही मोबाइल नंबर और एक ही पहचान पत्र देना होगा।

अगर वह ऐसा नहीं करता है और अलग–अलग मोबाइल नंबर एवं पहचान पत्र देता है तो उसके खिलाफ दंडनीय कार्रवाई की जाएगी।

आठ पुलिस कप्तानों समेत 13 आईपीएस स्थानान्तरित

लखनऊ (एजेसी)। प्रदेश सरकार ने आठ जिलों के पुलिस अधीक्षकों समेत भारतीय पुलिस सेवा संवर्ग (आईपीएस) के 13 अधिकारियों का तबादला कर दिया। गृह विभाग के प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि हरदोई, कानपुर देहात, उन्नाव, रायबरेली, हमीरपुर, सिद्धार्थनगर, खीरी और कुशीनगर के पुलिस अधीक्षकों का तबादला कर दिया गया है वहीं एटीएस के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, प्रयागराज में गंगापार के पुलिस अधीक्षक, मुजफ्फरनगर में पुलिस अधीक्षक यातायात और ईओडब्लू के पुलिस अधीक्षक का भी तबादला किया गया है। उन्होने बताया कि पुलिस अधीक्षक ईओडब्लू लखनऊ सुरेश राव ए कुलकर्णी को उन्नाव का पुलिस अधीक्षक (एसपी) बनाया गया है वहीं हरदोई के एसपी अमित कुमार प्रथम का तबादला पुलिस अधीक्षक यूपी 112 लखनऊ के पद पर किया गया है। कानपुर देहात के पुलिस अधीक्षक अनुराग वत्स को हरदोई का पुलिस अधीक्षक बनाकर भेजा गया है।

प्रवक्ता ने बताया कि मुजफ्फरनगर के एसपी ट्रैफिक राम अभिलाष त्रिपाठी का ट्रांसफर सिद्धार्थनगर के एसपी के पद पर किया गया है। रायबरेली के पुलिस अधीक्षक स्वपनिल ममगैन को पुलिस उपायुक्त लखनऊ बनाया गया है। हमीरपुर के पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार को ममगैन के स्थान पर रायबरेली भेजा गया है। एसपी प्रयागराज गंगापार नरेन्द्र कुमार सिंह अब हमीरपुर के नये एसपी होंगे।उन्होने बताया कि एटीएस के एसएसपी विनोद कुमार सिंह का तबादला कुशीनगर के पुलिस अधीक्षक के पद पर किया गया है। उन्नाव के एसपी रोहन पी कनय को 4वीं वाहिनी पीएसी प्रयागराज के सेनानायक बनाया गया है। 35वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ के सेनानायक केशव कुमार चैधरी को कानपुर देहात का एसपी नियुक्त किया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि सिद्धार्थनगर के एसपी विजय ढुल का ट्रांसफर खीरी के पुलिस अधीक्षक के पद पर किया गया है जबकि खीरी के मौजूदा एसपी सत्येन्द्र कुमार को 23वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद का सेनानायक बनाया गया है। कुशीनगर के एसपी विनोद कुमार मिश्रा को सीबीसीआईडी लखनऊ के पुलिस अधीक्षक बनाया गया है।

आपदा में घोटाले के अवसर तलाषे जा रहे–अजय लल्लू

लखनऊ (एजेसी)। प्रदेश कांग्रेस ने राज्य के कई जिलो में पीपीई किट के खरीद में हुए घोटालों पर योगी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि योगी सरकार में भ्रष्टाचारियों और घोटालेबाजों को सरकारी संरक्षण मिला हुआ है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने शुक्रवार को यहां जारी बयान में कहा कि योगी सरकार से शासन–प्रशासन बिल. कुल नहीं चल पा रहा है। प्रदेश में घोटालों की बाढ़ आई हुयी है। एक के बाद एक घोटाला सामने आ रहा है।

वैश्विक महामारी में जहाँ एक ओर लोगों की कमर टूट गयी है वही घोटालेबाजों की योगी सरकार की प्रशासनिक अक्षमता के चलते पौ बारह है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मौजूदा योगीराज में सरकार का पूरा अमला आपदा में अवसर तलाशता नजर आ रहा है, महामारी के बाबजूद लोग घोटाले और भ्रष्टाचार को नए आयाम दे रही है।

उन्होंने ने कहा कि इन घो. टालेबाजों को लगाम लगाये जाने की बजाये घोटालों के खिलाफ अवाज उठाने वाले लोगों पर ही मुकदमा लाद रही है। भ्रष्टाचार पर जीरो टोलेरेंस की बात करने वाली सरकार में भ्रष्टाचारियो को सरकारी संरक्षण मिला हुआ है।

उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आगाह किया कि अगर एक सप्ताह के अंदर घोटालेबाज गिरफ्तार ना हुए तो कांग्रेस पार्टी सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करने को बाध्य होगी।

कोरोना किट खरीदी में घोटाला पर प्रियंका का निशाना

लखनऊ (एजेसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने एक बार फिर सूबे की योगी आदित्यनाथ सरकार को घेरने के साथ ही देश में लगातार बढ़ रहे कोरोना वायरस के मामलों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा है।

प्रियंका गांधी ने शुक्रवार ट्वीट किया कि ''न्यूज रिपोर्ट के मुताबिक उप्र में कोरोना किट खरीदी में घोटाला हुआ है। क्या पंचायत चुनावों के साल में जिले–जिले वसूली केंद्र बना दिए गए हैं। पीईपी किट घोटाला, 69 के घोटाला, बिजली घोटाला। पहले घोटाला, फिर सख्ती का नाटक और फिर घोटाला दबाना। अजीब दास्तां है ये, कहां शुरू कहां खत्म।''

दो कारों की भिड़ंत में तीन की मौत, पांच घायल

कासगंज (एजेसी)। जिले के सोरों क्षेत्र में शुक्रवार सुबह दो कारों की भिड़ंत में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मृत्यु हो गयी जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक आगरा–बरेली हाइवे पर नगरिया के पास सुबह करीब सात बजे यह हादसा उस समय हुआ जब बीएमडब्लू और स्विफ्ट डिजायर की आमने–सामने की भिड़ंत हो गयी। इस हादसे में दोनो कारों के परखच्चे उड़ गये। हादसे के बाद कार में फंसे हताहतों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। दुर्घटना मे स्विफ्ट कार में सवार एक परिवार के तीन सदस्यों की मृत्यु हो गयी जबकि दो घायल हो गये वहीं बीएमडब्लू सवार तीन लोग घायल हुये हैं। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां दो की हालत नाजुक बनी हुयी है।

बताया जाता है कि स्विफ्ट कार में सवार लोग फिरोजाबाद जिले में शिकोहाबाद के आदर्श नगर के रहने वाले है जो रामपुर जा रहे थे कि बरेली की तरफ से आ रही बीएमडब्लू कार ने टक्कर मार दी। बीएमडब्लू में सवार यात्री बदायूं के निवासी है जो उझानी से गुजरात जा रहे थे। इस हादसे में स्विफ्ट में सवार दिनेश, उसकी पत्नी निशा और बेटे बाबू की मौत हो गयी वहीं जग्गू और शिवी घायल है जबकि बीएमडब्लू में सवार जुबैर, शाहिल और बाबू घायल हुये हैं। पुलिस के अनुसार दोनो कारों की तेज रफ्तार की वजह से हादस हुआ। शवों को पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है।

कोविड–19 अस्पताल से फरार एक कैदी गिरफ्तार

चित्रकूट (एजेसी)। जिले के खोह कोविड–19 अस्पताल से फरार हुए दो संक्रमित कैदियों में से बृहस्पतिवार की देर रात एक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। चित्रकूट के पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल ने शुक्रवार को बताया कि खोह के कोविड–19 अस्पताल से बृहस्पतिवार की तड़के सामूहिक बलात्कार के मामले के फरार एक आरोपी बृजलाल को उसके ठिकाने से देर रात पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि इसी मामले के फरार दूसरे कैदी रज्जू यादव की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं।

एसपी ने बताया कि एक किशोरी के साथ मई माह में सामूहिक बलात्कार करने के आरोप में दोनों आरोपियों को दो सितंबर को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था और जेल में सात सितंबर को हुई जांच में उनके (फरार कैदी के) कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने पर दोनों को खोह के कोविड–19 अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया था। मित्तल ने बताया कि सुरक्षा के लिए अस्पताल में तैनात पुलिसकर्मियों की लापरवाही की भी जांच की जा रही है। जांच में लापरवाही सामने आने पर पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी।

जेपी के जिला अध्यक्ष से थानेदार ने की बदसलूकी, तीन पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

संभल (एजेसी)। जिले एक किसान की मोटरसाइकिल छुड़ाने धनारी थाने गये भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष के साथ पुलिसकर्मियों ने बदसलूकी की। इस मामले में थानाध्यक्ष सहित तीन पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया है। घटना के बाद काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता थाने पर इकट्ठे हो गए। घटना की शिकायत पुलिस अधीक्षक से की गयी गयी उन्होंने धनारी के थाना प्रभारी और दो सिपाहियों को लाइन हाजिर कर दिया है।

सम्भल के जिला अध्यक्ष ओम वीर सिंह खड़ग बंशी ने बताया कि जयराम नगर निवासी किसान पर बिजली विभाग के ट्यूब बेल का बिल बकाया था जिस पर घर आकर बिजली कर्मियों ने उसकी पत्नी से बदतमीजी की। बिजली विभाग के कर्मचारियों ने इस मामले में धनारी थाने में तहरीर दी जिस पर थाने कि पुलिस जाकर उक्त किसान की बाइक उठा लाई। किसान ने हमसे शिकायत की तो बृहस्पतिवार को धनारी थाने में आकर थाना प्रभारी सतेंद्र भड़ाना से बात की तो उन्होंने बदसलूकी की, इसकी सूचना जब कार्यकर्ताओं को पहुंची तो काफी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता इकट्ठे हो गए। इसके बाद पार्टी कार्यकताओं के साथ सब लोग पुलिस अधीक्षक यमुना प्रसाद से मिले और उन्हे उक्त थाना अध्यक्ष द्वारा कार्यकर्ताओं का मान सम्मान न करने पर अवगत भी कराया। वहीं एसपी यमुना प्रसाद ने बताया कि भाजपा के लोगो ने शिकायत की, जिस पर धनारी थाना प्रभारी सतेंद्र भड़ाना व दो सिपाहियों को लाइन हाजिर कर दिया गया है।

सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा ने किया जन सुविधा परिसर का शुभारम्भ

क्रांति समय संवाददाता

बहराइच । प्रदेश के सहका. रिता मंत्री श्री मुकुट बिहारी वर्मा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र परिसर कैसरगंज में निर्मित जन सुविधा परिसर का फीता काटकर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर श्री वर्मा ने कहा कि कैसरगंज क्षेत्र की जनता बहुत दिनों से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र परिसर कैसरगंज में जन सुविधा परिसर की मांग कर रही थी उसी के परिपेक्ष्य में उन्होंने अपनी व्यक्तिगत निधि से इस जन सुविधा परिसर का निर्माण कराया है।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि जन सुविधा परिसर के माध्यम से अब क्षेत्रवासियों व चिकित्सालय में भर्ती मरीजों व तीमारदारों को स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि कैसरगंज विधानसभा क्षेत्र में शीघ्र ही ऐसे कई जनसुविधा परिसर बनवाए जाएंगे। जिससे पूरे विध ानसभा को इसका समुचित लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि कैसरगंज विधानसभा क्षेत्र में तमाम योजनाएं लागू की गई हैं जो शीघ्र ही मूर्ति रूप लेंगी।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब कैसरगंज बाजार स्ट्रीट लाइट से जगमगायेगा। इसके लिए कार्ययोजना तैयार कर ली गयी है। श्री वर्मा ने कहा कि खेती किसानी में किसानों को खाद की समस्या न हो इसके लिए पर्याप्त मात्रा में जनपद बहराइच को उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करायी गयी है। जनपद के सभी साधन सहकारी समितियों पर खाद उपलब्ध है। किसानों को अब खाद बीज के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

सहकारिता मंत्री ने सभी लोगों का आहवान किया कि कोविड–19 के संक्रमण से बचाव के लिए सभी लोग अनिवार्य रूप से सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें और मास्क लगाकर ही बाहर निकलें। श्री वर्मा ने कहा कि जनसहभागिता के माध्यम से ही कोविड–19 पर विजय प्राप्त की जा सकती है। सहकारिता मंत्री ने पुनः लोगों से शरीरिक दूरी का ध्यान रखने तथा नियमित अन्तराल पर हाथों को अच्छी तरह साबुन घोने की अपील की।

उन्होंने विश्वास जताया कि कोरोना हारेगा, भारत जीतेगा।

जनसुविधा परिसर के शुभारम्भ अवसर पर विधानसभा संयोजक गौरव वर्मा, एसडीएम महेश कुमार कैथल, सीओ अरुण चंद, पीआरओ कौशलेंद्र विक्रम सिंह, जिला उपाध्यक्ष सुबेद वर्मा, मंडल अध्यक्ष शिव सहाय सिंह, मीडिया प्रभारी नीरज श्रीवास्तव ,पूर्व प्रमुख राम राज वर्मा, गजेंद्र सिंह, प्रभात सिंह, संतोष गुप्ता, विवेक शर्मा, मोहम्मद सरफुद्दीन, अजय सिंह, डॉ. एन.के. सिंह, डॉ. एस.के. सिंह, बुद्धि सागर गुप्ता सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

नाबालिग के साथ सामूहिक बलात्कार

महाराजगंज एजेसी)। जिले के श्यामदेवरा इलाके में दो व्यक्तियों ने 12 साल की दलित लड़की का कथित अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस के मुताबिक बुधवार को दो लोग लड़की के घर आये और उसे अपने साथ सुनसान जगह पर ले जाकर कथित तौर पर बलात्कार किया। पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह साजवान ने बताया कि आरोपियों की पहचान उसी गांव में रहने वाले अरमान और अमित चैधरी के तौर पर हुई है। उन्होंने बताया कि लड़की के परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और लड़की को चिकित्सीय परीक्षण के लिये भेज आरोपियों की तलाश की जा रही है।

दिनदहाड़े ज्वेलरी शॉप से 35 लाख की लूट

अलीगढ़ (एजेसी)। नगर के बन्नादेवी क्षेत्र के खैर रोड स्थित सुंदर ज्वेलर्स के यहां दिनदहाड़े तीन बाइक सवार बदमाशों ने फिल्मी स्टाइल में पिस्टल दिखाकर करीब 35 लाख रुपये का सोना और 40 हजार रुपये की नकदी लूट ली। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

लूट की सूचना मिलते ही आला पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए अलग–अलग टीमें गठित की गई हैं। पुलिस सीसीटीवी रिकॉर्डिंग के आधार पर बदमाशों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

प्राप्त विवरण के मुताबिक सारसौल चैराहे के निकट खैर बाईपास रोड पर सुंदर ज्वैलर्स की दुकान है।

शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे बाइक सवार तीन बदमाश तमंचा लेकर ज्वैलर दुकान में घुसे।

इससे पहले की दुकान के कर्मचारी और वहां मौजूद ग्राहक कुछ समझ पाते, बदमाशों ने बैग से तमंचा निकाल उन पर तान दिया। इसके बाद बदमाश दुकान से 35 लाख रुपए के सोने के आभूषण और 40 हजार रुपये की नगदी लूटकर तमंचा लहराते हुए बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। मौके पर पहुंचे एसएसपी मुनिराज ने बताया कि एसपी सिटी और एसपी क्राइम के नेतृत्व में बदमाशों की तलाश के लिए टीमें गठित की गई हैं।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर शीघ्र ही बदमाशों की तलाश कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

सार–समाचार

कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण के लिए दिव्यांगजनों से आवेदन आमंत्रित

बहराइच। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी बहराइच श्रीमती रेखा गुप्ता ने बताया कि विभाग द्वारा संचालित कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण योजनान्तर्गत कृत्रिम उपकरण यथा ट्राईसाईकिल, बैशाखी, श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर, अंधछड़ी, वाकिंग स्टिक आदि कृत्रिम उपकरण निःशुल्क प्राप्त करने हेतु इच्छुक दिव्यांगजन विकास भवन के कक्ष संख्या 10 में स्थित जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी बहराइच में निर्धारित प्रारूप पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।

श्रीमती गुप्ता ने बताया कि ऐसे दिव्यांगजन जिनकी दिव्यांगता का प्रतिशत 40 प्रतिशत से कम न हो, ग्रामीण क्षेत्र की वार्षिक रू. 46,080=00 व शहरी क्षेत्र के लिए रू. 56,460=00 वार्षिक है, अर्ह होंगे। इच्छुक दिव्यांगजन मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा निर्गत दिव्यांग प्रमाण–पत्र, तहसीलदार, खण्ड विकास अधिकारी, पार्षद, ग्राम

प्रधान के सतर से निर्गत आय प्रमाण–पत्र, निवास प्रमाण–पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति, दिव्यांगता दर्शाता हुआ पासपोर्ट साईज़ का फोटोग्राफ और यदि आवेदक अनूसूचित जाति व जनजाति का है जाति प्रमाण–पत्र व मोबाइल नम्बर के साथ आवेदन करना होगा।

शासकीय, अर्द्धशासकीय तथा स्कूल-कालेजों के भवनों पर स्थापित करें रूफटाप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणालीः डीएम

जल संचयन एवं भूजल रिचार्ज सरकार की शीर्ष प्राथमिकता

बहराइच। जिलाधिकारी शम्भु कुमार ने बताया कि भविष्य के लिए जल संग्रहण करने हेतु जल संचयन के कार्यों को सरकार की प्राथमिकता में सम्मिलित किया गया है। जल शक्ति मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह द्वारा प्रदेश के समस्त जनपदों के समस्त शासकीय अर्द्धशासकीय भवनों तथा स्कूल–कालेजों के भवनों पर अनिवार्य रूप से रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना के निर्देश दिए गए है। इसी दिशा में विशेष प्रयास करते हुए शासन स्तर से लघु सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता/सहायक अभियंता को जनपद स्तर पर रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना के कार्य की प्रगति का अनुसरण करने हेतु नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

जिलाधिकारी ने बताया कि जल संचयन को व्यापक जन सहभागिता के द्वारा जन आंदोलन के रूप दिए जाने की आवश्यकता है। इसमें समस्त नागरिकों से सक्रिय योगदान की अपेक्षा की जाती है कि समस्त व्यवसायिक प्रतिष्ठानों/औद्योगिक इकाइयो/गैर सरकारी संगठनों एवं कृषको इत्यादि से अनुरोध है कि अपने–अपने कार्य क्षेत्र में रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली स्थापित करते हुए जल संचयन के कार्य प्रभावी रूप से किए जाए।

श्री कुमार ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के अन्तर्गत भी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक स्थलों पर जल संचयन के विविध कार्य किए जा रहे हैं। जिसमें गांव के शासकीय विद्यालयों पर रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना तथा लाभार्थी कृषक के खेतों में तालाब रिचार्ज पिट इत्यादि कार्य सम्मिलित है। इसके लिए खण्ड विकास अधिकारियों से सम्पर्क किया जा सकता है। जल संचयन कार्यों के लिए सुलभ डिजाइन भूगर्भ जल विभाग की वेबसाइट यूपीजीडब्लूडी डाट जीओवी डाट इन व मनरेगा की वेबसाइट नरेगा डाट एनआईसी डाट इन पर अथवा जनपद के भूगर्भ जल विभाग एवं लघु सिंचाई विभाग से प्राप्त की जा सकती है। इस नई तकनीक के आधार पर कृषक, आम नागरिक, औद्योगिक इकाइयां तथा गैर सरकारी संगठन इस विधि को अपना सकते हैं।

राष्ट्रीय विकलांग पार्टी ने अभिभावक विचार मंच के फीस माफी के अनशन के समर्थन में दिया धरना

कानपुर राष्ट्रीय विकलांग पार्टी ने अभिभावक विचार मंच द्वारा फीस माफी के लिए शास्त्री चौक चौराहे पर चल रहे अनशन के समर्थन में आज धरना दिया और सरकार से कोरोना महामारी के दौरान की फीस माफ करने की मांग किया द्य धरने के बाद मुख्यमंत्री को मांग पत्र भेजा गया। धरने को सम्बोधित पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव वीरेन्द्र कुमार ने कहा की बिना पढाई के फीस वसूलना गैर कानूनी है द्य स्कूल के संचालक और शिक्षा माफिया फीस माफी मे बाधक है द्य

अनशन कर रहे लोगों को माला पहना कर उनका स्वागत किया गया। वीरेन्द्र कुमार ने कहा की सरकार ने फीस माफी का आदेश जारी नहीं किया तो सड़को पर उतर कर संघर्ष किया जाएगा।

आज के धरना में राष्ट्रीय महासचिव वीरेन्द्र कुमार के अलावा जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, अल्पना कुमारी, पवन राने, अनिल कुमार वर्मा, आनन्द तिवारी, बंगाली शर्मा, दिलीप कुमार, दिनेश यादव, अब्दुल राऊफ, बबिता कटियार, हेमलता यादव आदि शामिल थे।

उन्नाव को मिले नये कप्तान

उन्नाव के नए कप्तान होंगे सुरेश राव आनंद कुलकर्णी 2008 बैच के डायरेक्ट आईपीएस ऑफीसर हैं उन्नाव से पहले कई बड़े जिलों में बतौर एसएसपी काम किया है उन्नाव से पहले सीतापुर एसपी, इलाहाबाद,बनारस,आजमगढ़,महोबा,बस्ती,बाराबंकी पुलिस

अधीक्षक के अलावा मुरादाबाद व लखनऊ में एसएसपी जीआरपी के पद पर भी कार्यरत रह चुके हैं।

कानपुर नगर द्वारा ग्रेस प्राइवेट कोविड फैसिलिटी का औचक निरीक्षण

कानपुर जिलाधिकारी कानपुर नगर द्वारा ग्रेस प्राइवेट कोविड

फैसिलिटी का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने यहां की व्यवस्थाओ का जायजा लिया

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शोशल मिडिया में वायरल हुआ महिलाएं का शारीरिक शोषण करने वाले का वीडियो ?

सुरत, सुरत शहर के उधना क्षेत्र में महावीर कॉम्प्लेक्स पर रिपब्लिकन पार्टी के ऑफिस पर महिला ने तोड़फोड़ किया और घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस स्टेशन पर ले जायगा आगे की जाँच उधना पुलिस कर रही हैं

नकद और मोबाइल चुराने पर युवक की हत्या कर दफना दिया, तीन आरोपी गिरफ्तार

सूरत क्राइम ब्रांच ने शहर के उधना में एक महीने पहले हुई युवक के हत्या के मामले की गुत्थी सुलझाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लियाद्य मृतक ने नकद और मोबाइल की चोरी की थीद्य जिसके मुख्य आरोपियों ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर युवक की हत्या कर दी और उसका शव दफना दिया थां

जानकारी के मुताबिक सूरत के उधना में रहनेवाले अब्दुल रहीम के घर से रु. 9500 नकद और मोबाइल फोन की चोरी हुई थीं। अब्दुल रहीम को जब पता चला कि यह चोरी किसी और ने नहीं बल्कि उसके पिता द्वारा गोद लिए गए अजीत ने की थीं

जिसके बाद अब्दुल ने अपने दो दोस्तों सद्दाम और शाहरुख के साथ मिलकर अजीत की हत्या कर दी।

हत्या के बाद मृतक शव मोटर साइकिल पर बीच में बिठाकर कब्रस्तान पहुंचे और वहां शव को दफना दियां।

अब्दुल ने मृतक के मामा को बताया कि शराब के नशे में अजीत की दुर्घटना में मौत हो गईं। शव दफनाने के बाद अब्दुल समेत उसके दोस्त निश्चिंत हो गएं।

लेकिन मामले की जांच कर रही क्राइम ब्रांच को सच्चाई का पता चल गया और अब्दुल समेत उसके दोनों दोस्तों को गिरफ्तार कर लियां।

पूछताछ में तीनों आरोपियों ने अजीत की हत्या की बात कबूल कर लीद्य उधना पुलिस ने कबर से शव बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और तीनों आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है

कोरोना संक्रमित गुजरात भाजपा प्रमुख संसद के सत्र में शामिल नहीं होंगे

अहमदाबाद गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख और नवसारी से सांसद सीआर पाटील आगामी 14 सितंबर से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में शामिल नहीं हो पाएंगे।

सीआर पाटील की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद गांधीनगर के एपोलो अस्पताल उनका उपचार चल रहा है।

कोरोना काल में गुजरात भाजपा प्रमुख नियुक्त किए गए सीआर पाटील संसद का पहले चरण के सत्र में शामिल होना मुमकीन नहीं है। संभवतः संसद के अंतिम चरण के सत्र में सीआर पाटील शामिल हो सकते हैं।

बता दें कि 14 सितंबर से संसद का मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है, जो 1 अक्टूबर 2020 तक चलेगा। कोरोना संक्रमित सीआर पाटील एपोलो अस्पताल में उपचाराधीन है, इसलिए उनका पहले चरण के सत्र में शामिल होना मुश्किल है। सत्र के अंतिम चरण में सीआर पाटील के शामिल होने की संभावना है। गौरतलब है कि गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख नियुक्त किए जाने के बाद से सीआर पाटील राज्य के विभिन्न जिलों का दौरा शुरू कर दिया था। सौराष्ट्र के बाद सीआर पाटील उत्तरी गुजरात के दौरे पर थे। उस वक्त उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्हें गांधीनगर के एपोलो अस्पताल में दाखिल किया गया है। सीआर पाटील ही नहीं भाजपा के कई नेता कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। जिसकी वजह पाटील की रैलियों में जुटी भीड़ और सोशल डिस्टेसिंग का अभाव है।

अब विश्व पर्यटन नक्शे पर चमकेगा गुजरात, हेरिटेज टूरिज्म पॉलिसी जारी

अहमदाबाद (ईएमएस)द्य मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने गुजरात को विश्व पर्यटन मानचित्र पर और भी दमदार तरीके से चमकाने के लिए राज्य की प्राचीन धरोहरों, ऐतिहासिक विरासत इमारतों और स्थलों को हेरिटेज टूरिज्म डेस्टिनेशन (वि. रासत पर्यटन स्थल) के रूप में बढ़ावा देने वाली हेरिटेज टूरिज्म पॉलिसीः 2020–25 की महत्वपूर्ण घोषणा की है। गौरतलब है कि गुजरात रण यानी कि सफेद रेगिस्तान, समुद्र और पर्वतीय स्थलों के साथ ही प्राचीन इमारतों, धर्मस्थानकों, डायनासोर पार्क और स्टेच्यू ऑफ यूनिटी जैसी पर्यटन विविधताओं से भरपूर प्रदेश है। ऐसे में, मुख्यमंत्री ने अब इस हेरिटेज टूरिज्म पॉ. लिसी की घोषणा के माध्यम से इसमें विरासत पर्यटन का एक और आकर्षण जोड़ने की अभिनव पहल की है। 'खूश्बु गुजरात की' सूत्र के साथ गुजरात की पर्यटन विविधता को विश्व पर्यटन के नक्शे पर अंकित करने की मुख्यमंत्री की प्रतिबद्धता है। मुख्यमंत्री ने इस नई हेरिटेज टूरिज्म पॉलिसीः 2020–25 के जरिए राज्य के छोटे गांवों और नगरों में अब तक सुषुप्त अवस्था में या कहें कि उपेक्षित रही प्राचीन विरासत इमारतों, राजा–रजवाड़ों के महलों, झरोखों, मीनारों और किलों सहित अन्य धरोहर स्थलों को दुनियाभर के पर्यटन प्रेमियों के लिए तमाम सुविधाओं और सहूलियतों के साथ खोलने का प्रेरक दृष्टिकोण अपनाया है। रूपाणी ने छोटे गांवों व नगरों में बरसों से अप्रयुक्त रहे राजमहलों, किलों और प्राचीन सांस्कृतिक वि. रासत को समेटे इमारतों की महत्ता को फिर से उजागर करने, लोग उसका इतिहास जान सकें साथ ही ऐसे स्थानों की समुचित देखभाल एवं संरक्षण को सुनिश्चित करने के मकसद से हेरिटेज टूरिज्म पॉलिसी में अनेक प्रोत्साहन देने का भी निर्णय किया है। पर्यटन क्षेत्र तथा होटल इंडस्ट्रीज को नया बल देने और छोटे गांव व नगरों में जगह के अभाव में अन्य स्थलों पर होटल, रेस्तरां और बैंक्वेट शुरू न हो सके तो ऐसी ऐतिहासिक विरासत संपत्तियों में उसे शुरू कर स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को भी व्यापक बनाने की रूपाणी की मंशा इस नई विरासत पर्यटन नीति में निहित है।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को गांधीनगर में हुई उच्चस्तरीय बैठक में इस हेरिटेज टूरिज्म पॉलिसीः 2020–25 को पर्यटन मंत्री जवाहर चावड़ा सहित वरिष्ठ सचिवों की मौजूदगी में अंतिम स्वरूप दिया। उन्होंने धरोहर संपत्तियों के मूल तत्व और सत्व को बरकरार रखते हुए पर्यटन आकर्षण खड़ा करने की प्रतिबद्धता के साथ इस नीति में साफ निर्देश दिए हैं कि 1 जनवरी, 1950 से पहले की ऐसी ऐतिहासिक इमारतों, महलों और किलों आदि में हेरिटेज होटल, हेरिटेज म्यूजियम, हेरिटेज बैंक्वेट हॉल या फिर हेरिटेज रेस्तरां बनाए जा सकते हैं। इतना ही नहीं, ऐसी हेरिटेज होटल, म्यूजियम, बैंक्वेट हॉल या रेस्तरां का निर्माण करने के दौरान हेरिटेज स्थल की ऐतिहासिक विरासत के मूल ढांचे के साथ किसी तरह की छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। मुख्यमंत्री ने आजादी के बाद भारतीय संघ में विलीन हुई अनेक छोटी–बड़ी रियासतों की समृद्धि, उनके महलों के संग्रहालयों में मौजूद कीमती चीज–वस्तुएं, सौगातें, पोषाक, शस्त्र और सिक्के जैसी प्राचीन ध रोहर को विश्व की वर्तमान एवं भावी पीढ़ी देख व जान सके इसके लिए हेरिटेज म्यूजियम की अवधारणा को इस विरासत पर्यटन नीति में शामिल किया है। उल्लेखनीय है कि गुजरात में प्रतिवर्ष लाखों की तादाद में देश और दुनिया के सैलानी पर्यटन के लिए आते हैं। मुख्यमंत्री ने अब इस विरासत पर्यटन की संकल्पना से ऐसे पर्यटकों को हेरिटेज स्थानों की यात्रा के लिए आकर्षित करने और विदेशी मुद्रा अर्जित करने के साथ ही स्थानीय रोजगार सृजन के समग्र पर्यटन विकास का दृष्टिकोण इस नीति में सुनिश्चित किया है।

ऐतिहासिक विरासतों व धरोहर स्थलों को दुनियाभर के सैलानियों के लिए खोलने की पहल

मुख्यमंत्री ने हेरिटेज टूरिज्म पॉलिसी में जिन अहम मुद्दों को शामिल किया है उसके अंतर्गत इस नीति के तहत नई शुरू की गई हेरिटेज होटल, हेरिटेज म्यूजियम, हेरिटेज बैंक्वेट हॉल और हेरिटेज रेस्तरां यूनिट तथा मौजूदा होटल और हेरिटेज म्यूजियम, बैंक्वेट हॉल और रेस्तरां यूनिट के नवीनीकरण एवं मरम्मत के लिए राज्य सरकार द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी। जिसके अनुसार होटल स्थापित करने के लिए 25 करोड़ रुपए तक के निवेश पर 20 फीसदी सब्सिडी यानी की अधिकतम 5 करोड़ रुपए तक की सहायता और 25 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश पर अधिकतम 10 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता राज्य सरकार देगी।

न्यू हेरिटेज म्यूजियम, हेरिटेज बैंक्वेट हॉल और हेरिटेज रेस्तरां यूनिट तथा उसके नवीनीकरण या मरम्मत में 3 करोड़ रुपए तक के निवेश पर 15 फीसदी के हिसाब से 45 लाख रुपए की सहायता दी जाएगी। 3 करोड़ से अधिक के निवेश पर 15 फीसदी के हिसाब से अधिकतम 1 करोड़ रुपए की सहायता सरकार देगी। हेरिटेज टूरिज्म पॉलिसी की अवधि के दौरान स्वीकृत और वित. रित किए गए ऋण पर पांच वर्ष के लिए 7 फीसदी ब्याज सब्सिडी प्रतिवर्ष 30 लाख रुपए की सीमा में दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने हेरिटेज होटल, बैंक्वेट हॉल, म्यूजियम और रेस्तरां के लिए इस नीति के अंतर्गत कई तरह के प्रोत्साहन देने का प्रावधान भी किया है। जिसके अनुसार, पांच वर्ष के लिए सौ फीसदी इलेक्ट्रीसिटी ड्यूटी माफी और मार्केटिंग सपोर्ट के तहत राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए रेंट सहायता आदि लाभ भी मिलेगा। गुजरात में लोथल और धोलावीरा जैसे प्राचीन ऐतिहासिक नगरों, रानी की वाव और चांपानेर जैसे विश्व धरोहर स्थलों सहित भारत के पहले विश्व विरासत शहर अहमदाबाद की गौरवशाली विरासत है।

श्री रूपाणी ने इस भव्यता के साथ अब हेरिटेज टूरिज्म पॉलिसी के माध्यम से राज्य के सुदूरवर्ती छोटे गांवों व नगरों की ऐतिहा. सिक विरासत को, प्राचीन धरोहर एवं संस्कृति को भी दुनियाभर के पर्यटन प्रेमी देख सकें और उसका लुत्फ उठा सकें साथ ही 'खूश्बु गुजरात की' दुनियाभर में फैले ऐसे पर्यटन विकास के उद्देश्य से इस महत्वपूर्ण विरासत पर्यटन नीति की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने इस नीति के सुसंगत गुजरात होम स्टे पॉलिसी 2014–19 को भी ज्यादा सरल एवं पर्यटक अनुकूल बनाने का दृष्टिकोण अपनाया है।

गुजरात का ग्रामीण जीवन, संस्कृति, इतिहास और परंपरागत धरोहर को देखने और उसका आनंद उठाने के लिए यहां आने वाले विदेश एवं भारत के अन्य राज्यों के सैलानियों को किफायती दरों पर स्वच्छ और सुविधा युक्त आवास सहूलियत इस होम स्टे पॉलिसी के अंतर्गत मिलेगी।

नीट एग्जाम हेतु पश्चिम रेलवे चलायेगी वापी से अहमदाबाद तथा सोमनाथ से अहमदाबाद के बीच स्पेशल ट्रेन

अहमदाबाद पश्चिम रेलवे द्वारा आगामी नीट NEET परीक्षाओं के मद्देनजर कैंडिडेट की सुविधा के लिए 12 सितंबर 2020 (शनिवार) को वापी से अहमदाबाद तथा सोमनाथ से अहमदाबाद के बीच सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगीं

जिसके मुताबिक ट्रेन संख्या 09081 अहमदाबाद सुपरफास्ट स्पेशल दिनांक 12 सितंबर 2020 को रात्रि 23:10 बजे वापी से चलकर अगले दिन सुबह 05:00 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

वापसी में ट्रेन संख्या 09082 अहमदाबाद सुपरफास्ट स्पेशल दिनांक 13 सितंबर 2020 को रात्रि 23:10 बजे अहमदाबाद से चलकर अगले दिन सुबह 05:00 बजे वापी पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन वलसाड, नवसारी, सूरत, अंकलेश्वर, भरुच, वड़ोदरा, आंणद व नडियाद स्टेशनों पर ठहरेंगी। इस विशेष ट्रेन में स्लीपर व सेकंड सीटिंग क्लास के आरक्षित कोच रहेंगे।

ट्रेन संख्या 09201 सोमनाथ अहमदाबाद सुपरफास्ट स्पेशल दिनांक 12 सितंबर 2020 को रात्रि 21:30 बजे सोमनाथ से चलकर अगले दिन प्रातः 05:25 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

वापसी में ट्रेन संख्या 09202 अहमदाबाद –सोमनाथ सुपरफास्ट स्पेशल दिनांक 13 सितंबर 2020 को रात्रि 21:10 बजे अहमदाबाद से चलकर अगले दिन प्रातः 05:05 बजे सोमनाथ पहुंचेगी। मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन वेरावल, चोरवड रोड, मालिया, हाटिना, केशोद, जूनागढ़, जेतलसर, नवागढ़, वीरपुर, गोंडल भक्ति नगर, राजकोट, वांकानेर थान, सुरेंद्रनगर व विरमगाम स्टेशनों पर ठहरेंगी। इस विशेष ट्रेन में स्लीपर व सेकंड सीटिंग क्लास के आरक्षित कोच रहेंगे।

यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया वर्तमान में कोरोना वैश्विक महामारी को देखते हुए, भारत सरकार द्वारा जारी गाइड लाईंस का पालन करें तथा 01.30 घंटा पूर्व स्टेशन पर पहुंचे।

राज्य परिवहन निगम ने शुरू की और 40 एसी–वॉल्वो बस सेवा

अहमदाबाद गुजरात राज्य पथ परिवहन निगम की आज से एसी–वॉल्वो बस सेवा शुरू हो गई हैद्य परिवहन निगम ने फिलहाल राज्य में 40 और एसी–वॉल्वो बस सेवा शुरू करने का फैसला किया हैद्य 12 वॉल्वो बसें राजकोट, सूरत और भूज रूट पर चलाई जाएंगीद्य 24 एसी बसें भी चलाई जाएंगीद्य अहमदाबाद–डीसा, भावनगर, दाहोद, और मोरबी के साथ ही राजकोट–दीव, अहमदाबाद–अंबाजी रूट पर भी रोडवेज की बसें दौड़ाई जाएंगीद्य उमरगाम, अंबाजी, सूरत और मोरबी रूट पर 4 एसी बसों का संचालन किया जाएगा। इसी के साथ राज्य में अब तक कुल 80 एसी–वॉल्वो बस सेवाएं शुरू हो चुकी हैं।

सी प्लेन के एरोड्राम के लिए 4074 वर्गमीटर जमीन आवंटित करने का फैसला

अहमदाबाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट सी प्लेन सर्विस आगामी अक्टूबर महीने में गुजरात के दो स्थलों से प्रारंभ हो जाएगीद्य केन्द्र सरकार की उडान योजना के तहत प्रारंभ होनेवाली सी प्लेन सर्विस के लिए अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी और पालीताणा में शेत्रुंजी नदी को चुना गया हैं। अहमदाबाद में सी प्लेन का एरोड्राम बनाने के लिए महानगर पालिका ने 4074 वर्गमीटर जमीन नागरिक उड्डयन मंत्रालय को देने का फैसला किया हैं। महानगर पालिका ने सी प्लेन एरोड्राम के लिए साबरमती नदी के पश्चिम की ओर अंबेडकर ब्रिज के निकट पालडी में जमीन आवंटित की हैं। पहले इस स्थल पर गार्डन बनाने की योजना थी,

लेकिन अब यह जगह सी प्लेन एरोड्राम के लिए आवंटित की गई हैं ।

वर्ष 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान पीएम मोदी ने सी प्लेन सर्विस का ऐलान किया थां।

अब केन्द्र सरकार ने 19 यात्रियों की क्षमता वाले तीन विमानों को चुना हैं।

ये प्लेन अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के लिए उड़ान भरेंगेद्य अहमदाबाद साबरमती रिवरफ्रंट से सी प्लेन के जरिए यात्री केवल 50 मिनट में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पहुंच जाएंगें।

अहमदाबाद से बाइ रोड स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पहुंचने में तीन घंटे का समय लगता हैं।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के अलावा अहमदाबाद साबरमती रिवरफ्रंट से पालीताणा के शेत्रुंजी के बीच भी सी प्लेन सर्विस 31 अक्टूबर को शुरू हो जाएगीं।

अहमदाबाद से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के बीच शुरू होनेवाली सी प्लेन सर्विस का किराया 4 से 5 हजार होने का अनुमान है ।

बता दें कि 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान पीएम मोदी ने बगैर किसी घोषणा के साबरमती रिवरफ्रंट से उत्तरी गुजरात के धरोई डैम तक सी प्लेन में यात्रा की थीं।

गुजरात में कोरोना के 1344 नए मरीज, 1240 हुए ठीक, 16 मरीजों की मौत

अहमदाबाद गुजरात में कोरोना के 1344 नए मरीज सामने आए है। जबकि 1240 लोगों को डिस्चार्ज किया गया। वहीं 16 मरीजों का आज कोरोना से मौत हो गई। गुजरात में आज कुल 71668 टेस्ट समेत राज्य में अब तक कुल 3145020 टेस्ट किए गए।

जिसमें अब तक कुल 110971 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए हैं। इनमें से 91470 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 3183 मरीजों की अब तक मौत हो चुकी है। फिलहाल राज्य में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 16318 है,

जिसमें 16224 स्टेबल हैं और 94 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। 24 घंटों में सूरत कॉर्पोरेशन में 174, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 153, सूरत में 101, राजकोट कॉर्पोरेशन में 99, जामनगर कॉर्पोरेशन में 98, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 93, राजकोट में 51, वडोदरा में 39, पाटन में 30, मोरबी में 29, पंचमहल में 29, भावनगर कॉर्पोरेशन में 28, अमरेली में 26, भरुच में 25, कच्छ में 25, मेहसाणा में 24, गांधीनगर में 22, सुरेन्द्रनगर में 22, अहमदाबाद में 21, दाहोद में 20, बनासकांठा में 19, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 19, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 18, जामनगर में 18, भावनगर में 17, आणंद में 16, जूनागढ़ में 16, महीसागर में 16, गिर सोमनाथ में 13, साबरकांठा में 13, नर्मदा में 10, खेडा में 9, तापी में 9, बोटाद में 8, छोटाउदेपुर में 8, नवसारी में 8, अरवल्ली में 6, देवभूमि द्वारका में 5, वलसाड में 4, पोरबंदर में 2 और डांग में 1 समेत कुल 1344 कोरोना पॉजिटिव केस राज्यभर में दर्ज हुए।

जबकि 1240 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। इस दौरान अहमदाबाद में 3, सूरत कॉर्पोरेशन में 3, भावनगर में 2, सूरत में 2, बनासकांठा में 1, गांधीनगर में 1, राजकोट में 1, राजकोट कॉर्पोरेशन में 1, वडोदरा में 1 और वडोदरा कॉर्पोरेशन में 1 समेत कुल 16 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई।

राज्य के विभिन्न जिलों में आज की तारीख में 741223 लोगों को कोरन्टाइन किया गया है।

जिसमें 740763 होम कोरन्टाइन और 460 लोगों को फैसिलिटी कोरन्टाइन में रखा गया है।

औद्योगिक उपयोग के लिए 50 फीसदी से अधिक ऑक्सीजन देने पर रोक

अहमदाबाद। राज्य में ऑक्सीजन की कमी से निपटने के लिए सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर औद्योगिक उपयोग के लिए 50 प्रतिशत से अधिक ऑक्सीजन देने पर रोक लगा दी है। इसका उल्लंघन करने पर 6 महीने की जेल और जुर्माने का प्रावधान है। एक ओर गुजरात में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और दूसरी ओर ऑक्सीजन की कमी होने लगी है। ऐसे हालात में ऑक्सीजन की मांग पूरी करने के लिए राज्य सरकार ने विशेष अधिसूचना जारी की है। खाद्य एवं औषध नियमन आयुक्त डॉ. एचजी कोशिया ने कहा कि अब ऑक्सीजन उत्पादक इकाइयां केवल 50 प्रतिशत ऑक्सीजन औद्योगिक उपयोग के लिए दे सकेंगी। अनिवार्य परिस्थिति में यदि मेडिकल ऑक्सीजन की जरूरत पैदा होती है तो पहली प्राथमिकता मेडिकल ऑक्सीजन को देनी होगी। उन्होंने बताया कि गुजरात राज्य में फिलहाल मेडिकल ऑक्सीजन का उपयोग करीब 250 टन है और मेडिकल ऑक्सीजन के लाइसंस उत्पादक कुल 52 हैं। राज्य में औद्योगिक उत्पादन करते 50 उत्पादक हैं। राज्य में मेडिकल ऑक्सीजन की लगातार बढ़ती मांग से निपटने के लिए गुजरात सरकार ने अधिसूचना जारी कर खास निर्देश दिए हैं। इसके अंतर्गत गुजरात के आ. ॅक्सीजन उत्पादकों को कोरोना संकट को देखते हुए अपनी अधिकतम क्षमता के मुताबिक लगातार ऑक्सीजन का उत्पादन करना होगा। साथ ही कुल उत्पादन का 50 प्रतिशत ऑक्सीजन अनिवार्य रूप से मेडिकल ऑक्सीजन के उत्पादन के लिए देना होगा। उत्पादक इकाइयां केवल 50 प्रतिशत ऑक्सीजन ही औद्योगिक उपयोग के लिए दे सकेंगी।

अनिवार्य परिस्थितियों में यदि मेडिकल ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है तो पहली प्राथमिकता मेडिकल ऑक्सीजन को देनी होगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)